सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

पेज 7 में ▸▸ सपनों को किसी भी सीमा में...

वर्ष -01 ✦ अंक- 03 ✦ दुर्ग, शनिवार 17 जनवरी 2026 ✦ पृष्ठ- 08 ✦ मूल्य- 2 रुपए ✦ संपादक- अलोक तिवारी ✦ PRGI Reg No : CTHIN/25/A3746

न्यूज Window

सुप्रीम कोर्ट से जस्टिस यशवंत वर्मा को बड़ा झटका, अधजली नकदी मामले में संसदीय जांच रोकने की याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा को तगड़ा झटका दिया है। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को जस्टिस वर्मा की उस याचिका को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ चल रही संसदीय जांच समिति की वैधता को चुनौती दी थी। जस्टिस वर्मा पर कथित 'अधजली नकदी' मामले में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं, जिसकी जांच लोकसभा स्पीकर द्वारा गठित एक संसदीय पैनल कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद अब उनके खिलाफ चल रही जांच का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है।

जस्टिस वर्मा ने अपनी याचिका में तर्क दिया था कि लोकसभा स्पीकर द्वारा उनके खिलाफ आरोपों की जांच के लिए बनाई गई संसदीय समिति कानूनी रूप से वैध नहीं है। उन्होंने दलील दी थी कि इससे पहले राज्यसभा के उपसभापति उनके खिलाफ लाए गए महाभियोग (पद से हटाने) के प्रस्ताव को खारिज कर चुके हैं। जस्टिस वर्मा का कहना था कि जब एक सदन में प्रस्ताव गिर चुका है, तो उसी मामले में नए सिरे से जांच समिति का गठन करना नियमों के खिलाफ है। उन्होंने कोर्ट से इस समिति और उसकी कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की थी।

हिसार में टूटा 2 साल का रिकॉर्ड, 19 तक स्कूल बंद

चंडीगढ़/हिसार। हरियाणा के अधिकांश जिलों में इन दिनों हाड़ कंपाने वाली ठंड पड़ रही है। कोहरे और शीतलहर के कारण मौसम विभाग ने पूरे प्रदेश में यलो अलर्ट जारी किया है। ठंड के इसी प्रकोप को देखते हुए हरियाणा सरकार ने स्कूलों की शीतकालीन छुट्टियां 2 दिन और बढ़ा दी हैं। अब राज्य के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूल सोमवार (19 जनवरी) को खुलेंगे। हिसार में जमा देने वाली ठंड हिसार में ठंड ने पिछले 2 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। यहाँ न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया है। पिछले 15 वर्षों में यह पांचवीं बार है जब पारा इस स्तर तक नीचे गिरा है। अन्य शहरों की स्थिति भी चिंताजनक है-

कैथल, कुरुक्षेत्र, करनाल और अंबाला में कोल्ड-डे जैसी स्थिति बनी हुई है। सोनीपत, पानीपत और फतेहाबाद सहित कई जिलों में सुबह के समय विजिबिलिटी शून्य दर्ज की गई, जिससे हाईवे पर वाहनों की रफ्तार थम गई है। पश्चिमी विक्षोभ का पूर्वानुमान

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसार, प्रदेश में दो पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने वाले हैं। 17-18 जनवरी- प्रदेश के कुछ हिस्सों में बूंदाबांदी की संभावना है, जिससे कोहरे में थोड़ी कमी आ सकती है। 19 जनवरी के बाद- राज्य के ज्यादातर स्थानों पर बारिश होने की संभावना जताई गई है, जिससे तापमान में और बदलाव आ सकता है।

आईएमएफ ने भारत की विकास दर का अनुमान बढ़ाने के दिए संकेत

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने संकेत दिया है कि वह भारत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान बढ़ा सकता है। इसकी वजह यह है कि हाल की तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर गति से बढ़ी है। इससे एक बार फिर साफ होता है कि वैश्विक विकास को आगे बढ़ाने में भारत की भूमिका बहुत अहम है। भारत की 2025 की आर्थिक वृद्धि को लेकर पूछे गए सवाल पर आईएमएफ की संचार विभाग की निदेशक जूली कोज़ैक ने कहा कि भारत ग्लोबल विस्तार को आगे बढ़ा रहा है, भले ही व्यापक अंतरराष्ट्रीय आर्थिक माहौल में अनिश्चितता छाई हुई हो। कोज़ैक ने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा, हमने भारत में देखा है कि भारत दुनिया के लिए एक प्रमुख ग्रोथ इंजन है। आईएमएफ की हाल की समीक्षा में वित्त वर्ष 2025ङ्क26 के लिए भारत की विकास दर 6.6 प्रतिशत आंकी गई थी। यह अनुमान देश के भीतर मजबूत खपत पर आधारित है। जूली कोज़ैक ने बताया कि बाद में आए नए आर्थिक आंकड़ों, खासकर तीसरी तिमाही के आंकड़ों ने आईएमएफ का भरोसा और मजबूत किया है। तीसरी तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि अनुमान से ज्यादा रही।

बस्तर अंचल का होगा चहुंमुखी विकासः मुख्यमंत्री

बस्तर अंचल का होगा चहुंमुखी विकास

कांकेर जिले को 284 करोड़ रूपए के विकास कार्यों की दी सौगात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि बस्तर अंचल का चहुंमुखी विकास होगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि प्रदेश में नक्सलवाद समाप्ति की ओर है और इसके बाद बस्तर अंचल में तेजी से विकास दृष्टिगोचर होगा। मुख्यमंत्री श्री साय आज कांकेर जिले पखांजूर में आयोजित कार्यक्रम में 284 करोड़ रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नेताजी सुभाष स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में परलकोट क्षेत्रवासियों के विकास के लिए विभिन्न घोषणाएं भी की गई, जिनमें नए शिक्षा सत्र से बंग समाज के 135 ग्रामों की प्राथमिक शालाओं में नये शिक्षा सत्र से बांग्ला भाषा में शिक्षा प्रांरभ करने की घोषणा की। उन्होंने संबलपुर से दुर्गूकोंदल होते हुए पखांजूर तक सड़क निर्माण, पखांजूर के मंडी गेट से अंजाड़ी नाला तक गौरवपथ, मछली मार्केट पखांजूर से नर-नारायण सेवा आश्रम तक सीसी सड़क, शासकीय कन्या शाला मैदान में बाउण्ड्रीवॉल निर्माण, पखांजूर में फायर ब्रिगेड वाहन सेवा शुरू करने तथा सिविल अस्पताल पखांजूर में धनवंतरि जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स स्थापित करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने जनसमुदाय को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार प्रशासनिक कार्यों में स्वच्छता एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करने की इच्छा शक्ति के साथ लगातार विकास की ओर आगे बढ़ रही है। श्री साय ने बताया कि प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों का अनुसरण करते हुए प्रदेश सरकार तेजी से कार्य कर रही है। दो साल की अल्पावधि में राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख आवास की स्वीकृति दी है, जिसके परिणामस्वरूप अब तक 08 लाख हितग्राहियों ने गृह प्रवेश भी कर लिया है। इसी तरह महतारी वंदन योजना में 70 लाख महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं।

टोल प्लाजा 1 अप्रैल से कैशलेस, नकद भुगतान बंद होगा, सिर्फ फास्टैग या यूपीआई से टैक्स लिया जाएगा

अभी 25 टोल पर ट्रायल शुरू

■ नई दिल्ली (एजेंसी)

1 अप्रैल से देश के सभी टोल प्लाजा कैशलेस हो जाएंगे। नए नियमों के लागू होने के बाद वाहन चालकों को टोल टैक्स चुकाने के लिए सिर्फ फास्टैग या यूपीआई पेमेंट का ही इस्तेमाल करना होगा। यह जानकारी टीवी न्यूज चैनल आज तक को इंटरव्यू में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के सचिव वी. उमाशंकर ने दी। उन्होंने कहा कि टोल पर नकद (कैश) लेनदेन को पूरी तरह से बंद कर करने का फैसला लिया है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य टोल नाकों पर लगने वाली लंबी लाइनों को खत्म करना और सफर को बाधा रहित बनाना है। इस 'नो-स्टॉप' सिस्टम का पायलट प्रोजेक्ट फिलहाल देश के 25 टोल प्लाजा पर टेस्ट किया जा रहा है। हालांकि, अभी आधिकारिक नोटिफिकेशन आना बाकी है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय इस डिजिटल बदलाव को लागू करने के लिए अंतिम रूप दे रहा है। वर्तमान में फास्टैग अनिवार्य होने के बावजूद कई जगहों पर कैश लेनदेन होते हैं। डिजिटल पेमेंट न करने वाले वाहनों के कारण जाम की स्थिति बनी रहती है। कैश बंद होने से गाड़ियों को टोल बूथ पर रुकना नहीं पड़ेगा।

डिजिटल ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने के अलावा सरकार इसके जरिए तीन प्रमुख टारगेट पूरे करना चाहती है।

फ्यूल की बचत: टोल प्लाजा पर गाड़ियों के बार-बार रुकने और चलने के कारण भारी मात्रा में डीजल और पेट्रोल की बर्बादी होती है। कैश खत्म होने से यह बचत होगी।

पारदर्शिता: हर लेनदेन का डिजिटल रिकॉर्ड रहेगा, जिससे टोल कलेक्शन में होने वाली हेराफेरी या गड़बड़ी की गुंजाइश खत्म हो जाएगी।

तेज सफर: खुल्ले पैसों (चेंज) के चक्कर में होने वाली बहस और मैनुअल रसीद कटने में लगने वाला समय बचेगा। कैश पेमेंट बंद करना देश में 'मल्टी-लेन फ्री फ्लो' सिस्टम की दिशा में पहला कदम है। सरकार ऐसी तकनीक पर काम कर रही है, जिसमें हाईवे पर कोई फिजिकल बैरियर (नाका) नहीं होगा। गाड़ियां हाईवे की रफ्तार पर चलती रहेंगी और कैमरों व सेंसर्स की मदद से टोल अपने आप कट जाएगा।

पीएनबी घोटाले में ईडी का बड़ा दावा

मेहुल चोकसी का बेटा रोहन भी मनी लॉन्ड्रिंग में था सक्रिय

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब नेशनल बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने करीब आठ साल बाद पहली बार औपचारिक रूप से दावा किया है कि भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी का बेटा रोहन चोकसी भी मनी लॉन्ड्रिंग में सक्रिय रूप से शामिल था। यह दावा ईडी ने दिल्ली स्थित अपीलिय न्यायाधिकरण फॉर फॉरफिटेड प्रॉपर्टी के समक्ष अपनी लिखित दलीलों में किया है। दरअसल, रोहन चोकसी ने मुंबई स्थित एक संपत्ति की कुर्की को चुनौती दी थी। इसके जवाब में ईडी की कानूनी टीम ने ट्रिब्यूनल को बताया कि मुंबई के वॉकेश्वर रोड स्थित एक फ्लैट वर्ष 2013 में जानबूझकर मेहुल चोकसी द्वारा अपने बेटे रोहन चोकसी के नाम ट्रांसफर किया गया था।

ईडी के अनुसार, यह कदम भविष्य में संभावित कानूनी कार्रवाई और संपत्ति की कुर्की से बचने के लिए अपनाई गई एक पूर्व नियोजित रणनीति का हिस्सा था। एजेंसी ने तर्क दिया कि जिस समय यह संपत्ति ट्रांसफर की गई, उस दौरान मेहुल चोकसी के कारोबारी लेन-देन पर गंभीर सवाल उठने लगे थे।

ईडी ने ट्रिब्यूनल को बताया कि रोहन चोकसी के पास लस्टर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी में 99.99 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि मेहुल चोकसी उसमें निदेशक है। जांच में सामने आया है कि इस कंपनी का इस्तेमाल विदेशों में धन भेजने के लिए किया गया। एजेंसी के मुताबिक, एशियन डायमंड एंड ज्वैलरी एफजेडई से सिंगापुर स्थित मर्लिन लक्जरी ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड को 1,27,500 अमेरिकी डॉलर (करीब 81.6 लाख रुपये) ट्रांसफर किए गए थे।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन

दस्तावेजों में आग लगाई, फायर ब्रिगेड का रास्ता रोका

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन के खिलाफ चल रहा विरोध प्रदर्शन गुरुवार को हिंसक हो गया। उत्तरी दिनाजपुर जिले के चाकुलिया में उग्र भीड़ ने कानून व्यवस्था को ताक पर रखते हुए ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर (ब्रष्ठह्र) के कार्यालय पर धावा बोल दिया। गुस्साई भीड़ ने दफ्तर में जमकर तोड़फोड़ की और आग लगा दी, जिससे करीब 20 लाख रुपये की सरकारी संपत्ति जलकर खाक हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने पहुंची पुलिस टीम पर भी उपद्रवियों ने पथराव कर दिया, जिसमें चाकुलिया थाने के स्टेशन इंचार्ज घायल हो गए। घटना के बाद पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए एफआईआर दर्ज की है और 10 लोगों को हिरासत में ले लिया है। तनाव को देखते हुए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

हंगामा कर रहे लोगों का आरोप है कि मतदाता सूची के सत्यापन और सुनवाई के लिए उन्हें बार-बार नोटिस भेजकर परेशान किया जा रहा है। इसी गुस्से में भीड़ ने ब्रष्ठह्र दफ्तर के अंदर घुसकर कंप्यूटर तोड़ दिए, फर्नीचर तहस-नहस कर दिया और अहम फाइलों व सरकारी दस्तावेजों को आग के हवाले कर दिया। उपद्रवियों का गुस्सा यहीं नहीं थमा; उन्होंने दफ्तर का सामान बाहर निकालकर फूंक दिया और खिड़की-दरवाजे तक तोड़ दिए।

ईरान में करीब 9,000 भारतीय नागरिक फंसे, स्थिति पर सरकार की कड़ी नजर- विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान में बिगड़ते हालात के बीच भारत सरकार ने अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि वर्तमान में ईरान में लगभग 9,000 भारतीय नागरिक रह रहे हैं, जिनमें अधिकांश छात्र हैं। उन्होंने बताया कि हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए भारत सरकार ने दो-तीन एडवाइजरी जारी की हैं। इन एडवाइजरी के माध्यम से भारत में रह रहे नागरिकों को फिलहाल ईरान की यात्रा न करने की सलाह दी गई है। वहीं, ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों से कहा गया है कि वे उपलब्ध साधनों का उपयोग कर सुरक्षित रूप से देश छोड़ने की कोशिश करें। रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट किया कि भारत सरकार ईरान की स्थिति पर लगातार और करीबी नजर बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि वहां रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और भलाई सर्वोच्च प्राथमिकता है और सरकार उनकी मदद के लिए हर जरूरी कदम उठाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मुंबई नगर निगम आम चुनाव 2025-26

भाजपा को सबसे बड़ा जनादेश, विपक्ष बिखरा आंकड़ों में छिपी सियासत

■ मुम्बई (एजेंसी)

संदीप सिंह

बृहन्मुंबई नगर निगम आम चुनाव 2025-26 के नतीजों ने मुंबई की राजनीति की दिशा स्पष्ट कर दी है। उपलब्ध आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार कुल 227 वार्डों में हुए चुनाव में मतदाताओं ने भारतीय जनता पार्टी को सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभारा है। वोट प्रतिशत, विजयी उम्मीदवारों की संख्या और प्राप्त वैध मतों के आंकड़े सत्ता परिवर्तन की कहानी खुद बयां कर रहे हैं।

आंकड़ों की सियासत

क्या बताते हैं ये नंबर

1. भाजपा की निर्णायक बढ़त

भाजपा ने भले ही कुल वोटों का 21.58ब्र हासिल किया हो, लेकिन विजयी उम्मीदवारों को मिले वोटों का 45.22ब्र उसके खाते में गया। यह साफसंकेत है कि भाजपा का वोट सटीक सीटों पर केंद्रित रहा, जिससे वह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी।

2. ठाकरे गुट को नुकसान

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) को 13.13ब्र वोट मिले और 65 सीटें हासिल हुईं, लेकिन पार्टी का वोट शेयर और सीटों का अनुपात यह दर्शाता है कि वोट कई जगह बंट गया, जिससे बहुमत की दौड़ में पार्टी पीछे रह गई।

3. शिंदे गुट की भूमिका

शिवसेना (शिंदे) ने 29 सीटें जीतकर किंगमेकर की स्थिति बनाई। 5ब्र वोट शेयर के बावजूद 10.48ब्र विजयी वोट उनके खाते में गए, जो रणनीतिक जीत को दर्शाता है।

4. कांग्रेस और अन्य दल

कांग्रेस को 24 सीटें जरूर मिलीं, लेकिन उसका कुल वोट प्रतिशत 4.44ब्र तक सीमित रहा। ्रढ्ढरूढ्ढरू, रूहृस्, हृष्टक्क और अन्य दलों ने कुछ क्षेत्रों में असर दिखाया, पर वे निर्णायक भूमिका में नहीं आ सके।

वोट प्रतिशत बनाम सत्ता की तस्वीर

दिलचस्प बात यह है कि कुल 54.64 लाख वोटों में से केवल 47.72ब्र वोट ही विजयी उम्मीदवारों के पक्ष में गए। इसका सीधा मतलब है कि मुंबई का बड़ा वोट बैंक विभाजित रहा, और इसी विभाजन का सबसे बड़ा लाभ भाजपा को मिला।

राजनीतिक निष्कर्ष :-

भाजपा को सीटों में बढ़त, रणनीतिक जीत विपक्ष का वोट बिखराव, खासकर शिवसेना के दो धड़ों में बीएमसी में सत्ता परिवर्तन की ठोस नींव, आने वाले विधानसभा चुनावों के लिए राजनीतिक संकेत।

पार्टीवार प्रदर्शन (आधिकारिक आंकड़े)

राजनीतिक दल	विजयी उम्मीदवार	प्राप्त वोट	कुल वोट प्रतिशत	विजयी उम्मीदवारों के वोट
प्रतिशत्रभारतीय जनता पार्टी	89	11,79,273	21.58	45.22
शिवसेना	65	7,17,736	13.13	27.52
(उद्धव बालासाहेब ठाकरे) शिवसेना	29	2,73,326	5.00	10.48
इंडियन नेशनल कांग्रेस	24	2,42,646	4.44	9.31
AIMIM	8	68,072	1.25	2.61
महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना	6	74,946	1.37	2.87
एनसीपी	3	24,691	0.45	0.95
समाजवादी पार्टी	2	15,162	0.28	0.58
एनसीपी (शरदचंद्र पवार)	1	11,760	0.22	0.45
कुल	227	26,07,612	47.72	100
कुल डाले गए वोटः	54,64,412	कुल डाक मतः 11,677		

लोकतंत्र में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से रायपुर प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की सौजन्य मुलाकात

■ रायपुर (एजेंसी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में रायपुर प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी पदाधिकारियों को निर्वाचन में मिली सफलता पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने लोकतंत्र में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करते हुए आशा व्यक्त की कि प्रेस क्लब जनहित के मुद्दों को जिम्मेदारी और निष्पक्षता के साथ आगे बढ़ाएगा।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा, रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी, उपाध्यक्ष दिलीप कुमार साहू, महासचिव गौरव शर्मा, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, संयुक्त सचिव श्रीमती निवेदिता साहू, भूपेश जांगड़े उपस्थित थे।

नई दृष्टि बिंदु का भव्य शुभारंभ, जनहित और निर्भीक पत्रकारिता का लिया संकल्प

जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और शिक्षाविदों की मौजूदगी में प्रथम अंक का विमोचन

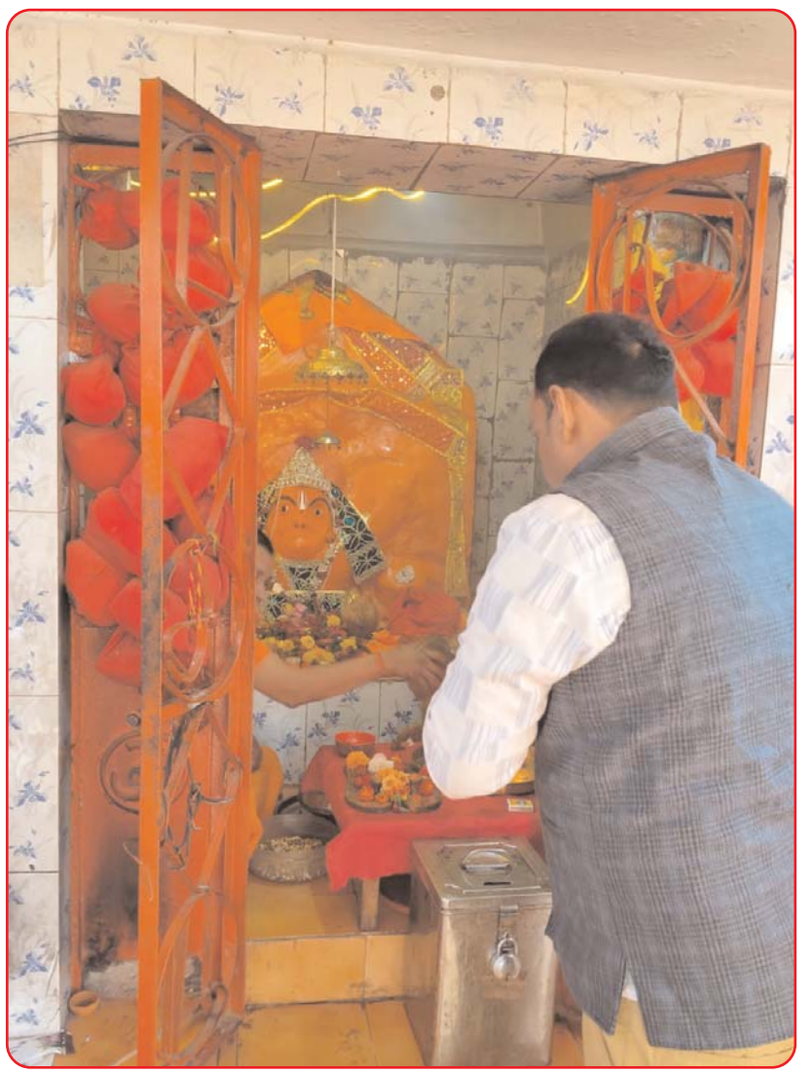

भिलाई। आज **नई दृष्टि बिंदु** का शुभारंभ केवल एक अखबार का विमोचन नहीं है, बल्कि जनता के पक्ष में खड़े होने का स्पष्ट ऐलान है। यह वह दिन है, जब सच बोलने वाली पत्रकारिता ने चुप्पी तोड़ने का संकल्प लिया। इस अवसर पर शहर, समाज और शिक्षा जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने एक स्वर में सच्ची और निर्भीक पत्रकारिता को समाज की आवश्यकता बताते हुए प्रथम अंक का विमोचन किया।

अखबार का विमोचन वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव, दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल,बीएसपी ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र बंछोर, उदय दत्ता,प्रमोद सिंह, निशु पांडेय, दुर्ग शहर के पूर्व विधायक अरुण वोरा, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, महापौर नीरज पाल,पूर्व सभापति राजेंद्र अरोरा अखिलेश सिंह तथा शहर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. दीप चटर्जी संजय खंडेलवाल दीपक साहू भोला साहू राम उपकार तिवारी के करकमलों से हुआ।

इस गरिमामयी अवसर पर शिक्षा और समाज सेवा से जुड़े प्रतिनिधियों ने भी नई दृष्टि बिंदु को सच्ची पत्रकारिता की मिसाल बताते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इनमें तेजस आईएएस एकेडमी के डायरेक्टर विनय सिंह, हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल के डायरेक्टर बृजमोहन उपाध्याय, हेवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के डायरेक्टर एवं समाजसेवी इंद्रजीत सिंह 'छोटू', मलकीत सिंह, सुमित पवार, मुरलीधर अग्रवाल, पूर्व जिला अध्यक्ष महेश वर्मा, पार्षद संतोष मौर्य, शरद मिश्रा एवं दिव्या भसीन प्रमुख रूप से शामिल रहे। सभी अतिथियों ने एकमत से कहा कि समाज को आज ऐसी ही निर्भीक, निष्पक्ष और जनता के पक्ष में खड़ी पत्रकारिता की जरूरत है। इस ऐतिहासिक दिन की शुरुआत नई दृष्टिबिंदु परिवार ने दुर्ग-भिलाई के प्राचीन आस्था स्थल सेक्टर-9 हनुमान मंदिर में बजरंगबली के चरणों में शीश नवाकर की– क्योंकि सच लिखने के लिए केवल कलम नहीं, बल्कि साहस और आशीर्वाद दोनों चाहिए।

नई दृष्टि बिंदु उन लोगों का अखबार है, जो आज भी प्रिंट की स्याही पर भरोसा करते हैं। जो जानते हैं कि सोशल मीडिया पर शोर बहुत है, लेकिन बदलाव अखबार की सुर्खियों से आता है। यह अखबार किसी दबाव, समझौते या संरक्षण में नहीं चलेगा। यहां केवल जनता की बात, जनता का दर्द और जनता का सवाल लिखा जाएगा।

हम साफ हैं–
अब समस्याएं दबेंगी नहीं।
अब सवाल टलेंगे नहीं।
अब जवाब देने होंगे।

नई दृष्टि बिंद सत्ता से सवाल पूछेगा, व्यवस्था को आईना दिखाएगा और आम आदमी की आवाज़ बनकर खड़ा रहेगा। यह आपकी आवाज़ है–अब इसे दबाया नहीं जाएगा। विमोचन के दौरान **नई दृष्टिबिंदु** के प्रधान संपादक आलोक तिवारी, अद्वितीय तिवारी, शरद मिश्रा ,ब्रांच मैनेजर आनंद शर्मा, निखिलेश शुक्ला, विशेष संवाददाता संदीप सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे।

सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु का गरिमापूर्ण विमोचन

रायपुर देश में पहला शहर बना, जहां पार्थिवी सोसायटी में शुरू हुई वर्चुअल नेट मीटरिंग

60 किलोवाट का सोलर सिस्टम लगा, 20 परिवारों को बिजली बिल में मिलने लगी बड़ी राहत

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर ने देशभर में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत एक नई मिसाल कायम की है। इस योजना के तहत रायपुर की पार्थिवी पैसिफिक सोसायटी में वर्चुअल नेट मीटरिंग (व्हीएनएम) का सफल संचालन होने से सोसायटी के फ्लैट में रहने वाले 20 परिवारों को बिजली बिल में बड़ी राहत मिलने लगी है।

वर्चुअल नेट मीटरिंग सिस्टम स्थापित करने वाला रायपुर देश का पहला शहर बन गया है।वर्चुअल नेट मीटरिंग की इस नई व्यवस्था का सबसे बड़ा फायदा उन लोगों को हो रहा है, जो अपार्टमेंट या बहुमंजिला इमारतों में रहते हैं और जिनके पास छत पर सोलर पैनल लगाने के लिए पर्याप्त जगह नहीं होती। वर्चुअल नेट मीटरिंग के जरिए एक ही सोलर प्लांट से कई फ्लैट या परिवार बिजली का लाभ ले सकते हैं, जिससे उनका बिजली बिल काफी कम हो जाता है। पार्थिवी पैसिफिक सोसायटी में वर्चुअल नेट मीटरिंग की सफलता को देखते हुए छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी अब इस मॉडल को प्रदेश के अन्य शहरों और क्षेत्रों में भी स्थापित करने की पहल शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का कहना है कि यह परियोजना छत्तीसगढ़ में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता और अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ और हरित भारत के विजन से जुड़कर अब अधिक से अधिक लोग सौर ऊर्जा का लाभ उठा सकेंगे।पार्थिवी पैसिफिक रिहायशी सोसायटी में एक ही सोलर प्लांट से 20 फ्लैटों में रहने वाले परिवार बिजली का उपयोग कर रहे हैं, जिससे बिजली खर्च में भी बड़ी बचत हो रही है। यह सोलर प्रोजेक्ट कैपेक्स मॉडल पर लगाया गया है।

यानी 20 परिवारों ने अपनी-अपनी राशि लगाकर सोलर प्लांट स्थापित किया और यह प्लांट पूरी तरह उन्हीं की संपत्ति है। पूरे प्रोजेक्ट की लागत करीब 24 लाख रुपये आई। प्रत्येक परिवार ने लगभग 1.20 लाख रुपये का निवेश किया है, जिसमें केंद्र सरकार की ओर से 78 हजार रुपये की सब्सिडी मिली। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस योजना को और आकर्षक बनाते हुए अपनी ओर से 30 हजार रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी दे रही है। इससे लोगों पर आर्थिक बोझ और कम होगा।पार्थिवी पैसिफिक सोसायटी सोलर सिस्टम लगने के बाद इसका सीधा लाभ बिजली बिल में दिखने लगा। इस सिस्टम से सभी फ्लैट के बिजली बिल में सालाना 6 लाख 30 हजार रूपए की बचत होने की उम्मीद है। इसका मतलब यह है कि प्रत्येक परिवार को अपने बिजली बिल पर लगभग 31500 रूपए की बचत होगी। प्रत्येक परिवार को लगभग 300 यूनिट तक बिजली का क्रेडिट मिलने लगा है, जिससे मासिक बिजली खर्च में अच्छी-खासी कमी आई है। छत्तीसगढ़ शान के ऊर्जा विभाग सचिव डॉ. रोहित यादव का कहना है कि वर्चुअल नेट मीटरिंग शहरी उपभोक्ताओं के लिए गेम-चेंजर है। इससे साझा रूप से सोलर ऊर्जा का लाभ मिलता है, बिजली बिल घटता है और राज्य में स्वच्छ ऊर्जा को तेजी से अपनाने में मदद मिलती है। वर्चुअल नेट मीटरिंग सिस्टम क्या हैवर्चुअल नेट मीटरिंग के तहत मान लीजिए किसी अपार्टमेंट में 200 किलोवाट का सोलर प्लांट लगाया गया है।

रिकार्ड की सटीकता से जीएसटी स्क्रुटनी प्रकरणों का होगा बेहतर प्रबंधन

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ में जीएसटी अनुपालन सुदृढ़ करने हेतु कार्यशाला का आयोजन

रायपुर । छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनियों में जीएसटी कानून के विभिन्न पहलुओं पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला थे। उन्होंने कहा कि जीएसटी कानून के तहत स्क्रूटनी एवं वाद-विवाद से बचाव के लिए सटीकता एवं सुदृढ़ रिकार्ड कीपिंग अत्यंत आवश्यक है। फाइलों का बेहतर दस्तावेजीकरण, समय पर रिटर्न दाखिला एवं नियमों के अनुरूप लेखा प्रबंधन से न केवल जीएसटी अनुपालन सुनिश्चित होता है, बल्कि विवादों की स्थिति भी नहीं बनेंगी। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के वित्त संकाय ने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया रायपुर शाखा के सहयोग से इस कार्यशाला का आयोजन डंगनिया मुख्यालय स्थित सेवा भवन में किया। इसमें प्रबंध निदेशक श्री शुक्ला ने संबोधन में कहा कि यह कार्यशाला जीएसटी लॉ के समुचित अनुपालन को सुनिश्चित करने एवं पावर कंपनियों में जीएसटी से संबंधित वाद-विवाद एवं प्रकरणों की बेहतर समझ विकसित करने की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी है। जीएसटी जैसे जटिल कानून में समय-समय पर होने वाले संशोधनों की जानकारी अधिकारियों के लिए आवश्यक है, जिससे कार्य निष्पादन सुगमता एवं पारदर्शिता के साथ किया जा सके। कार्यशाला का विषय जीएसटी से संबंधित मुकदमे एवं निराकरण प्रबंधन था, इसमें छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी के तीनों वित्त विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता सीए विकास गोलछा, चेयरमैन, आईसीएआई रायपुर शाखा रहे। उन्होंने विभिन्न पहलूओं को सरल तरीके से समझाया एवं अधिकारियों के प्रश्नों का निराकरण भी किया। कार्यशाला में जीएसटी कानून की

संपादकीय

जिंदगी की दूसरी पारी बहुत महत्वपूर्ण: पावर ऑफ अटॉर्नी के बारे में जानना जरूरी, ताकि संपत्ति को लेकर न हो विवाद

लखनऊ के 78 वर्षीय रामदयाल के सामने नई परेशानी आ गई है। पत्नी का देहांत हो चुका है, और दोनों बेटे संपत्ति को लेकर झगड़ रहे हैं। नतीजतन, रामदयाल इस उम्र में अकेले हो गए। समस्या इससे भी आगे है। उन्होंने कभी वसीयत नहीं बनवाई, न ही किसी को पावर ऑफ अटॉर्नी दी। देश में ऐसे लाखों रामदयाल हैं, जिन्होंने ढंग से आगे की योजना नहीं बनाई और अब मुसीबतों में फंस चुके हैं।

वसीयत या पावर ऑफ अटार्नी के बारे में जानिए

वसीयत क्यों है जरूरी : वसीयत एक कानूनी दस्तावेज है, जो बताती है कि किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसकी संपत्ति को किस तरह बांटा जाना चाहिए। वसीयतकर्ता जीवित रहने तक इसे कभी भी बदल या रद्द कर सकता है। सबसे आखिर में लिखी गई वसीयत को ही आमतौर पर वैध माना जाता है।

कैसे बनाएं वसीयत : सबसे पहले अपनी चल-अचल संपत्ति की सूची बनाएं। वारिसों का पूरा नाम और विवरण लिखें। यह भी तय करें कि किस व्यक्ति को कौन-सी और कितनी संपत्ति मिलेगी। सादे कागज या 100 रुपये के स्टांप पेपर पर वसीयत लिखकर कम से कम दो गवाहों से दस्तखत करवाएं। स्थानीय सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में इसका पंजीयन होता है। वसीयत बनाते समय डॉक्टर से मानसिक स्वास्थ्य प्रमाणपत्र लें, ताकि मानसिक अक्षमता का सवाल न खड़ा हो।

पावर ऑफ अटॉर्नी (पीओए) : बीमारी के समय पावर ऑफ अटॉर्नी ही सहारा बनती है। यह किसी भरोसेमंद व्यक्ति को आपकी ओर से बैंक, निवेश, संपत्ति और इलाज से जुड़े निर्णय लेने का कानूनी अधिकार देती है, खासकर जब आप खुद ऐसा करने में असमर्थ होते हैं। इससे पारिवारिक विवादों से बचाव होता है और संपत्ति का प्रबंधन सुचारू रहता है।

पीओए कैसे बनाएं : वकील की मदद से दस्तावेज तैयार करें। इसमें प्रधान, एजेंट का नाम, दिए जाने वाले अधिकारों का स्पष्ट विवरण, वैधता की अवधि और रद्द करने की शर्तें शामिल करें। यह स्टांप पेपर पर होना चाहिए। प्रधान मानसिक रूप से सक्षम होना चाहिए। प्रधान और दो स्वतंत्र गवाहों के हस्ताक्षर जरूरी हैं। नोटरी से प्रमाणित कराएं। सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में रजिस्टर कराएं, खासकर संपत्ति से जुड़े मामलों में। एनआरआई के लिए भारतीय दूतावास से प्रमाणीकरण जरूरी है। स्टांप शुल्क व रजिस्ट्रेशन फीस अलग-अलग राज्य में भिन्न-भिन्न हैं।

पीओए की अहम बातें : इसके जरिये संपत्ति का मालिकाना हक ट्रांसफर न करें। यह केवल संपत्ति के प्रबंधन या कानूनी कामों के लिए है। विशेष परिस्थितियों में किसी संपत्ति को अटॉर्नी होल्डर द्वारा बेचे जाने पर प्राप्त रकम प्रधान/अटॉर्नीदाता के खाते में जानी चाहिए, तभी विक्रय वैध होगा। इसे अटॉर्नी दाता कभी भी खारिज कर सकता है, जिसके बाद अटॉर्नी होल्डर को मिले अधिकार स्वत: शून्य हो जाते हैं। किसी वाद/केस के बाबत दी गई अटार्नी अहम होती है, जिसमें उस केस से जुड़े समस्त कार्य, दावा, बयान, अधिवक्ता नियुक्त करना, न्यायालय के समक्ष साक्ष्य प्रस्तुत करना आदि कई अधिकार होते हैं।

कितने तरह की पावर ऑफ अटॉर्नी

जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी (जीपीए) : सभी वित्तीय व कानूनी मामलों को संभालने के लिए एजेंट को व्यापक अधिकार देती है, खासकर जब आप उपस्थित न हों।

स्पेशल पावर ऑफ अटॉर्नी (एसपीए) : केवल किसी विशेष कार्य के लिए सीमित अधिकार देती है। विशेष कार्य के पूरा हो जाने या तय अवधि बीत जाने पर यह स्वत: खत्म हो जाती है।

ड्यूरेबल पावर ऑफ अटॉर्नी : मानसिक रूप से अक्षम हो जाने पर भी यह मान्य रहती है और एजेंट आपकी ओर से फैसले ले सकता है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह बेहद जरूरी है।

नॉन-ड्यूरेबल पावर ऑफ अटॉर्नी : व्यक्ति (प्रधान) किसी दूसरे शख्स (एजेंट) को अपनी ओर से वित्तीय, संपत्ति या अन्य मामलों में निर्णय लेने का अधिकार देता है। प्रधान मानसिक रूप से असमर्थ हो जाए, तो एजेंट के अधिकार खत्म हो जाते हैं।

मेडिकल/हेल्थ केयर पावर ऑफ अटॉर्नी : जब आप खुद चिकित्सा संबंधी निर्णय लेने में अक्षम हों, तब एजेंट आपकी ओर से स्वास्थ्य संबंधी फैसले ले सकता है, जैसे उपचार या अस्पताल चुनना। वसीयत और पावर ऑफ अटॉर्नी एक-दूसरे के विकल्प नहीं, बल्कि पूरक हैं। वसीयत मानसिक असमर्थता में काम नहीं करती और पावर ऑफ अटॉर्नी मृत्यु के साथ समाप्त हो जाती है। दोनों मिलकर ही निर्णयों की निरंतरता बनाए रखते हैं।

विश्व रंग: ईरान में न अमन, न चैन

डॉ. सुधीर सक्सेना

ईरान अशांत है। वह फिलवक्त दो पाटों में फंसा हुआ है। एक ओर तो घरेलू मोर्चे पर देगची में असंतोष खलभला रहा है, दूसरी ओर लंबे अर्से से आर्थिक-पाबंदियां झेल रहे ईरान को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'कभी भी कार्रवाई' की धमकी ने सांसत में डाल दिया है। यद्यपि ईरान ने युद्ध के लिये तैयार रहने और आक्रमण होने पर करारा जवाब देने की बात कही है, अलबत्ता उसने अमेरिका के साथ वार्ता के लिये भी तत्परता दर्शायी है। गौरतलब है कि वाशिंगटन और तेहरान के बीच दौत्य-संबंध नहीं है और उनके बीच संदेशों के आदान-प्रदान का दायित्व स्विस-दूतावास निभा रहा है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघायेई का कहना है कि मध्यपूर्व के लिये ट्रंप प्रशासन के विशेष दूत स्टीव विटकोफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरघची के बीच संचार-प्रणाली चालू है और पड़ने पर संदेशों का आदान-प्रदान जारी है। सोमवार 12 जनवरी को ईरानी विदेशमंत्री यह कहते हुये उद्?धृत किये गये कि ईरान ने युद्ध के साथ-साथ वार्ता के लिये अपने दरवाजे खुले रखे हैं। उनके इस बयान को तेहरान की मन:स्थिति के परिचायक के तौर पर देखा जा सकता है। यह इस बात का द्?योतक है कि तेहरान जंग की बात भले ही कहे, लेकिन गहन आंतरिक असंतोष के इस कठिन दौर में वह अपनी ओर से जंग के लिये अनिच्छुक है और जैसे भी हो वह जंग को टालना चाहेगा।

ईरान के इस्लामी गणतंत्र के लिये मुसीबतों का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वहां करीब एक पखवाड़े से उग्र प्रदर्शनों का तांता लगा हुआ है। 28 दिसंबर से शुरू हुये उन प्रद?र्शनों पर काबू पाने के लिये पुलिस को जगह-जगह गोलियां चलानी पड़ी है। इसके फलस्वरूप अब तक 646 लोगों की जान जाने की खबर है। इनमें 505 प्रदर्शनकारियों, 113 सुरक्षाकर्मियों और सात तमाशबीनों का समावेश है। इसके अलावा 579 मौत की पुष्टि होना अभी शेष है और उनकी तफ्तीश की जा रही है। सरकार ने प्रदर्शनकारियों के प्रति कड़ाई बरतने के संकेत दिये हैं और एक पखवाड़े की अवधि में दस हजार से अधिक ईरान को गिरफ्तार किया है।

इन दिनों घड़ी सुइयां तेजी से घूम रही है। शनिवार को तेहरान् में ईरान ने ब्रिटिश राजदूत को तलब किया और ब्रिटेन के विदेश मंत्री के ईरान को लेकर बयान के जरिये दखलंदाजी पर नाराजगी का इजहार किया। साथ ही इस वाकये पर भी अप्रसन्नता व्यक्त की गयी, जिसमें लंदन में एक युवक ने ईरान के दूतावास पर लगा ईरानी झंडा हटाकर वहां सन 1979 की इस्लामी क्रांति के पूर्व प्रयुक्त झंडे से मिलता जुलता ध्वज फहरा दिया। ब्रिटेन ने अधिकारिक तौर पर इस बाबत कोई वक्तव्य जारी नहीं किया है। इस उस बीच ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर कली बाफ ने वाशिंगटन को चेतावनी दी कि वह ईरान को कमजोर समझने की गलती नहीं करे। ईरान की क्रांतिकारी गारद के मुखिया रह चुके कुली बाफ ने तुर्श लहजे में कहा कि ईरान पर हमले की हालत में इस्त्रायल तथा अमेरिका के सभी अड्डे और जलपोत हमारे निशाने पर होंगे।

ईशन पर विश्व राजनय की दशा और दिशा को संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव अंतोनियो गुटर्रेस के उस बयान से भी समझा जा सकता है, जिसमें उन्होंने ईरान में आंतरिक हिंसा से स्तब्ध होने और ईरानी सरकार से हिंसा के बजाय संयम बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण इकट्ठा होने और प्रदर्शन का सम्मान किया जाना चाहिये। प्रदर्शन और दमन की खबरों के बीच शनिवार को इस्त्रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिका के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रूबियो ने फोन पर बातचीत की। रिपब्लिकन सिनेटर रैंड पॉल और डेमोक्रेट सिनेटर मार्क वानर ने ईरान पर अमेरिकी सैन्य आक्रमण की संभावना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि विदेशी हमले की स्थिति में ईरानी आवाम हमले के खिलाफ एकजुट हो जायेगा। विशेषज्ञों का मत है कि इससे ईरानी सरकार को असंतोष पर काबू पाने में मदद मिलेगी। मत-मतांतरों के कुहासे में अब लोगों की नजर मंगलवार को राष्ट्रपति की अमेरिकी सांसदों व सलाहकारों से मुलाकाता के नतीजों पर है। उधर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने स्पष्ट शब्दों में अमेरिका और इस्त्रायल पर ईरान में अस्थिरता का जाल बुनने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि ईरान के दुश्मनों ने आतंकवादियों को उकसाया है और ये दहशतगर्द मस्जिदों, बैंकों और सार्वजनिक संपत्ति को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने ईरानी अवाम से दंगाइयों से दूर रहने की अपील करते हुये कहा कि सरकार अवाम से बातचीत और आर्थिक मसले सुलझाने को तैयार है।

गत सप्ताहांत राष्ट्रपति ट्रंप के एक्स पर इस आशय के बयान के बाद ईरान समेत मध्यपूर्वक के मुल्कों की धुकधुकी बढ़ गयी है कि ईरानी जनता आजादी की ओर ताक रही है। ऐसा संभवत: पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने लिखा- %द यूएसए स्टैंड्स रेडी टु हेल्प।% ट्रंप जो हाल में वेनेजुएला में अपनी फिल्रियाँ फड़?का चुके हैं, के रेडी टु हेल्प कथन के अलग-अलग अर्थ निकाले जा रहे हैं। इस बीच ईरान के निर्वासित, पूर्व सम्राट के बेटे रजा पहल्वी ने ट्रंप की ईरानी अवाम की %अवर्णनीय वीरता% की सराहना की है। उन्होंने ईरानियों से कहा कि सड़?कें खाली मत छोड़िये।

वर्तमान संकट में तेल अवीव को अपने स्थायी शत्रु से छुटकारा पाने का %सुअवसर %नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि घटनाक्रम पर तेल अवीव की पैनी निगाह है। उन्होंने उम्मीद जताई कि पर्शियन स्टेट (ईरान) को जल्द ही अत्याचारों से मुक्ति मिलेगी। उलेखनीय है कि इस्त्रायल में ताजा घटनाक्रम और आशंकाओं के मद्देनजर %हाई अलर्ट% लागू कर दिया गया है। करीब एक छमाही ही बीती है, जब इस्त्रायल और ईरान के दरम्यान 12 दिन जंग चली थी। जून में हुई जंग में अमेरिका ने इस्त्रायल का साथ दिया था। उसने ईरान के परमाणु-ठिकाने तबाह कर दिये थे। बदले में ईरान ने इस्त्रायल और कतर में अमेरिकी ठिकाने पर मिसाइलें दागीं थीं। किस्सा कोताह यह कि अमेरिका की सीधी कार्रवाई की आशंकाओ के बीच स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। ईरान में अमन-चैन को नामोनिशां नहीं है और वह दोहरे संकट से जूझ रहा है।

पूरा साल घुसपैठियों के ढोल के शोर में गुजरेगा

हरिशंकर व्यास

अलग ही हस्ती है। सो, व्यर्थ है यह सवाल कि छब्बीस में भारत की सेहत, सांस क्या बेहतर होगी? इतना जरूर है कि मौजूदा मोदी राज जिन चार पायों पर टिका है वे और मजबूत होंगे। मतलब मोदी राज में- भीड़, ढोल, रेवड़ी तथा आंकड़ों में विकासमान उछाला गारंटीशुदा है। 2026 के अंत में भीड़ का आकार बढ़ा हुआ होगा। भीड़ को रेवड़ियों से नचाने के नए कार्यक्रम बने हुए होंगे। आंकड़े और हवा-हवाई बने मिलेंगे। कहावत जो है थोथा चना बाजे घना। मतलब दिसंबर 2026 में जापान, जर्मनी, चीन, अमेरिका सबको पछाडता भारत विश्वगुरूता के बाद अपने को ब्रह्माण्ड का नेता घोषित करे तो आश्चर्य नहीं होगा। अब यदि 2026 में इतना भौकाल हुआ तो स्वाभाविक जो नरेंद्र मोदी-अमित शाह के चुनाव जीतने के रिकॉर्ड में कमी नहीं होगी। चुनाव जीतेंगे और देशा गाएगा- बहारों फूल बरसाओ, भारत विकसित हुआ है!

दूसरे देश 2026 के सिनेरियो, उम्मीदों में एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, उड़ती हुई कारों से लेकर भू राजनीति अर्थात अमेरिका, चीन, वैश्विक व्यवस्था, जलवायु संकट, व्यापार-पूंजी, विज्ञान-तकनीक के बदलते आयामें में दिमाग खपाए हुए है वही भारत का नया साल घुसपैठियों, बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या से प्रारंभ है। तभी मेरा मानना है 2026 का पूरा साल घुसपैठियों के ढ़ोल के शोर में गुजरेगा। बंगाल में विधानसभा चुनाव है और घुसपैठियों, हिंदुओं की हत्या का रोना धोना हिंदू-मुस्लिम राजनीति का रामबाण नुस्खा है तो उत्तर प्रदेश के अगले चुनाव की भूमिका के लिए भी ढोल का यही सुर वर्ष 2026 की भारत पहचान बनेगा।

2026 में मोदी सरकार के बारह साल पूरे होंगे। गौर करें 2024 में लोकसभा के अल्पमत वाले नतीजों, मोदी सरकार के चंद्रबाबू के टेके के बाद से ढोल की गूंज कितनी और कैसे बढी है? भीड़ को वास्तविकताओं से ओझल रखने की राजनीति में पैसा बांटना, रेवड़ियों, आंकड़ों ने नई ऊंचाईयां पाई हैं। ऑपरेशन सिंदूर निर्णायक मोड़ था। दुनिया ने जब पाकिस्तान का ढोल सुना तो उस नैरेटिव की छाया से अपनी भीड़ को बचाए रखने के लिए मोदी सरकार ने तरह-तरह से अपनी पीठ थपथपाई और बिहार भी जीत लिया!

यों मोदी सरकार अब वक्त गुजरते जाने, घटते जीवन की चिंता में बेचैन है। बारह साल होने को है भला आगे और कितने साल? तभी अमित सत्ता की मैसेजिंग में महाराष्ट्र, हरियाणा, बिहार के चुनावों में न केवल सरकारी खजाना, पैसा लुटाया बल्कि चुनाव प्रक्रिया को भी संदिग्ध बना डाला। प्रदेशों के चुनाव से ही सरकार ऑक्सीजन पाए हुए है। और तय मानें 2026 में भी राज्यों के चुनावों में ताकत झोंकी जाएगी।

बंगाल, असम. केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी के पांच राज्यों में असम, बंगाल में भाजपा घुसपैठियों, हिंदू बनाम मुस्लिम फॉर्मूले पर ही चुनाव लड़ेगी। यों भी बांग्लादेश में हिंदू विरोधी माहौल से असम-बंगाल दोनों जगह धुव्रीकरण बनना है।

तभी 2026 खतरनाक भी हो सकता है। पहले बांग्लादेश में चुनाव है। चुनाव में उनकी जीत होगी जो भारत विरोध की मशाल जलाए कट्टरपंथी है। सो, मुमकिन है कि घुसपैठियों के शोर के अनुपात में ढाका-इस्लामाबाद का गठजोड़ पके। सामरिक गठजोड़ बने। आतंकी घटनाएं हों। इसलिए अमेरिकी थिंकटैंक के इस आकलन में दम है कि 2026 में भारत-पाकिस्तान में फिर ठन सकती है। जनरल मुनीर की मनोदशा में अपने आपको प्रामाणिक तुरर्म खां साबित करने की ललक है। उन्हें भारत का अंदरूनी शोर चीन, रूस, अमेरिका, बांग्लादेश सबसे नए गठजोड़ से 2026 में अवसर मुहैया हो सकता है।००

सू- दोकू क्र. 289

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.288 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

शब्द सामर्थ्य -289

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

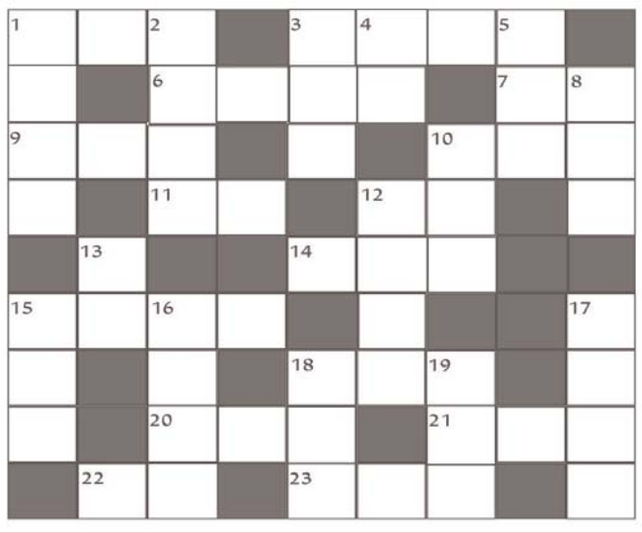

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 288 का हल

ज	ल		आ	वा	जा	ही		
मा		खू	ब		दू	र	स्थ	
ना	दा	न		सा	ग		ल	क्ष्य
	न	ख		त	र	ल		
	वी	रा	न			च	ट	क
	र	ब		आ	ज	क	ल	
			आ	ग		दा	ना	
	अ	ग	र	म	ग	र		क्रो
भा	भी		ती	न			व	ध

खबर-खास

भाजपा सरकार में छत्तीसगढ़ बना अपराध और नशाखोरी का गढ़ - दीपक बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश में रोज- रोज हो रही आपराधिक घटनाएं, हत्या, बलात्कार, चाकूबाजी की घटनाएं अब डराने लगी है। राज्य की राजधानी में औसतन रोज एक से दो हत्याएं हो रही है। प्रदेश का कोई शहर नहीं बचा है, जहां हत्या, बलात्कार, चाकूबाजी की घटनाएं रोज न हो रही हो। प्रदेश की कानून व्यवस्था खस्ताहाल हो चुकी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार के 2 साल के कार्यकाल में प्रदेश में ड्रग्स, अफीम, गांजा, हीरोइन, नकली शराब, अवैध शराब बिना रोक-टोक के गली-गली में बिक रहा है, हर चौक चौराहा में नशीली वस्तु बेचने वालों का गैंग है, जिसके चलते प्रदेश में आपराधिक घटनाएं भी बड़ी है। प्रदेश में नशेड़ियों का जमवाड़ा हो गया है। सूर्यास्त होने के बाद जिस प्रकार से नशाखोरी हो रहा है, हर वर्ग नशा की ओर आकर्षित हो रहा है, इसकी जिम्मेदारी भाजपा सरकार की है। ये सरकार की असफ्लता है। यह बेहद चिंता का विषय है सरकार इसे रोकने सख्त कदम उठाए।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार दावा करती है कि उसने राज्य में पाकिस्तान से आने वाले ड्रग्स की सप्लाई चैन को तोड़ दिया है। देश में 11 साल से मोदी की सरकार है, राज्य में पौने दो साल से भाजपा की सरकार है। भाजपा बताये कि देश की सीमा से पार होकर भारत के मध्य में स्थित छत्तीसगढ़ में ड्रग्स कैसे पहुंच रहा था? केंद्र सरकार सीमा को सुरक्षित नहीं रख पा रही है, तभी तो स्मग्लर सीमा पार से ड्रग्स छत्तीसगढ़ पहुंचा रहे थे। सरकार बताये सीमा पार से आने वाला ड्रग्स छत्तीसगढ़ की सीमा में कैसे पहुंच रहा था, क्योंकि राज्य सरकार की नाकामी नहीं है?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कानून का राज समाप्त हो गया है। गृह मंत्री केवल बयानबाजी करने के लिए ही उनसे गृह विभाग नहीं संभल रहा है। पुलिस विभाग अवैध वसूली का गिरोह बन चुका है। उसे आम आदमी की सुरक्षा से कोई मतलब नहीं है। सरकार पुलिस को उसका मूलकाम करवाना छोड़ विरोधियों के खिलाफ षड़यंत्र में लगा रखी है।

संस्कार स्कूल के नवनिर्मित सड़क का हुआ उद्घाटन, भविष्य की योजनाओं को किया मीडिया से साझा

रायगढ़। शहर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक स्कूल संस्कार पब्लिक स्कूल प्रगति के सोपान पर निरंतर आगे बढ़ रही है। इसी क्रम में आज शुक्रवार को संस्कार पब्लिक स्कूल के नवनिर्मित सड़क का उद्घाटन हुआ। मार्गदर्शक रामचंद्र शर्मा ने बताया कि वरिष्ठ पत्रकार सुभाष त्रिपाठी, रमेश अग्रवाल, नरेश शर्मा, विनय पांडेय, संजय बोहिदार आदि की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। लगभग 500 मीटर की सड़क मुख्य द्वार से लेकर छात्रावास तक विस्तारित है। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि मीडियाकर्मी रामचंद्र शर्मा की स्कूल की सड़क का उद्घाटन भी मीडियाकर्मियों द्वारा ही किया गया। जिसके चलते सभी पत्रकारों में उत्साह देखते ही बनता था। वरिष्ठ पत्रकार गणों ने प्रारंभ में दीप प्रज्जवलित कर भगवान विश्वकर्मा को याद कर पूजा अर्चना की। फीता काटकर सड़क भ्रमण कर प्रेसवार्ता ली गई। प्रेस वार्ता में स्कूल के संचालक रामचंद्र शर्मा ने स्कूल में होने वाले सुधार व इंफ्रास्ट्रक्चर की जानकारी प्रदान की। फीस आदि के संबंध में भी बताया गया कि संस्कार स्कूल के स्तर की किसी भी स्कूल से वहां की फीस कम है। साथ ही किसी भी निर्माण कार्य में होने वाले खर्च को फीस में नहीं जोड़ा जाता। प्राचार्या रश्मि शर्मा ने कहा कि संस्कार पब्लिक स्कूल बेहतर सुविधाओं के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है। कार्यक्रम में मंच संचालन दीपक मंडल व आभार प्रदर्शन एक्टिंग डायरेक्टर सीपी देवांगन द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार सुभाष त्रिपाठी ने बताया कि संस्कार पब्लिक स्कूल देखते ही देखते उंचाईयों को छू रही है। लगातार सुधार करते जाने से संस्कार पब्लिक स्कूल रायगढ़ ही नहीं वरन् आसपास के जिलों में भी प्रसिद्ध हो गई है। प्रबंधन की मेहनत, इंस्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार, शानदार शैक्षणिक गतिविधियां, व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम, हॉर्स राईडिंग, खेलकूद में अग्रणी आदि कारणों से जल्द ही सर्वोच्च शिखर पर पहुच जाएगी।

यह जीत आम जनता का एनडीए को आशीर्वाद है - किरण देव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने महाराष्ट्र के स्थानीय निकायों के चुनाव नतीजों पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि ये नतीजे महाराष्ट्र में मोदी मैजिक की प्रामाणिकता सिद्ध कर रहे हैं। निकाय चुनावों में भाजपानीत महायुति की शानदार जीत को श्री देव ने महाराष्ट्र के सुशासन मॉडल की ऐतिहासिक जीत बताया और कहा कि सुशासन, विकास और सौहार्द्रता पर महाराष्ट्र की नगरीय व शहरी जनता ने अपनी मुहर लगाई है, डबल इंजन की सरकार पर उसने विश्वास व्यक्त किया है, सरकार के द्वारा किए गए विकास पर विश्वास किया है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र की 29 महानगरपालिकाओं में से भाजपानीत महायुति ने 25 पर अपना परचम लहरा दिया है और बीएमसी में भी वह बम्पर जीत की ओर बढ़ रही है।

तकनीकी कर्मचारियों के लिए सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन

विद्युत दुर्घटना से बचाव व सुरक्षा की बारीकियों को लेकर हुई एक दिवसीय कार्यशाला

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत बेमेतरा संभाग के नांदघाट वितरण केंद्र में कार्यालय निरीक्षण के साथ नांदघाट एवं मारो वितरण केंद्र में पदस्थ समस्त तकनीकी कर्मचारियों हेतु दिनांक 15 जनवरी 2026 को एकदिवसीय विद्युत सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें अतिरिक्त मुख्य अभियंता एच.के.मेश्राम, अधीक्षण अभियंता एस.मनोज, कार्यपालन अभियंता जे.एस.भटनागर एवं श्रीमती अनसुईया ठाकुर एवं सहायक अभियंता नवीन वर्मा मुख्य रुप से उपस्थित हुए। आयोजित कार्यशाला में कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरणों के उचित उपयोग एवं स्वयं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए तनाव रहित कार्य करने की जानकारी दी गई।

अतिरिक्त मुख्य अभियंता एच.के.मेश्राम ने कार्यशाला में तकनीकी कर्मचारियों को सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए आपसी सामंजस्य से तनाव रहित होकर कार्य करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि विद्युत सुरक्षा के बुनियादी सिद्धांतों को समझकर और पालन करके ही विद्युतीय दुर्घटनाएं रोकी जा सकती हैं। ज्यादातर हादसे छोटी-छोटी लापरवाही से होते हैं, इसलिए बचाव के साधनों का पूरा उपयोग कर ही बिजली का कार्य करना चाहिये।

कार्यशाला में उपस्थित अधिकारियों ने कर्मचारियों को आपस में संवाद स्थापित करके एवं सुरक्षा जोन बनाकर कार्य करने की सलाह दी। उन्होंने मैदानी अमलों को सुरक्षा उपकरणों जैसे डिस्चार्ज रॉड, सेफ्टी बेल्ट, हेलमेट, दस्ताने, टेस्टर आदि का उपयोग करते हुए कार्य करने के निर्देश दिये।

लोगों से अच्छा व्यवहार रखकर ईमानदारी से करें काम : उप मुख्यमंत्री साव

44 हैंडपंप तकनीशियनों को मिला नियुक्ति पत्र

छत्तीसगढ़ में पेयजल समस्याओं के निदान के लिए नया नंबर 1916 किया जारी

रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री अरुण साव ने आज व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापमं) द्वारा प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से चयनित 44 नए हैंडपंप तकनीशियनों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। श्री साव ने नवनियुक्त तकनीशियनों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। श्री साव ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ में पेयजल समस्याओं के निदान के लिए नया नंबर 1916 जारी किया।उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने नवनियुक्त तकनीशियनों को नवा रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज से आपके नए जीवन की शुरुआत हो रही है, आप अपने सपनों को सच होते देख रहे हैं। घरवाले बेसब्री से आपकी राह देख रहे होंगे, आज आप शासकीय नौकरी की नियुक्ति पत्र लेकर घर लौटेंगे। यह आप सभी के लिए भावुक पल है। उन्होंने कहा कि यह आपकी मंज़िल नहीं है। आपको जीवन का पड़ाव मिला है। आपको बहुत दूर तक जाना है। जीवन के अनेक सोपान तय करना है। यहां से आपके लिए नई जिम्मेदारी, नई चुनौती, नया फील्ड एवं नया परिवेश मिलने वाला है ऐसे में आपको खुदको मानसिक रूप से तैयार करना है। श्री साव ने कहा कि शासकीय नौकरी, सपनों को साकार करने की दिशा में पहला कदम है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव श्री मोहम्मद कैसर अब्दुलहक ने समारोह में कहा कि 29 हजार से ज्यादा नल जल योजनाएं स्वीकृत हैं।

जन समर्पण सेवा संस्था ने दो दिवस किया मानव सेवा एवँ दान का कार्यक्रम

सबसे बड़े पर्व मकर सक्रांति पर किया दान

दुर्ग। दान-पुण्य के सबसे बड़े पर्व मकर सक्रांति के अवसर पर जन समर्पण सेवा संस्था दुर्ग द्वारा जन सहयोग दो दिवस विभिन्न स्थानों में जरूरतमंदों को जरूरत की सामग्री दान किया जा रहा है।संस्था द्वारा विगत 9 वर्षों से सभी पर्व एवं त्यौहार गरीब, असहाय जरूरतमंदों के साथ ही मानते आ रहे है, इसी क्रम में दान-पुण्य के सबसे बड़े पर्व मकर सक्रांति के अवसर पर दिनांक 14 एवं 15 जनवरी 2026 को जन समर्पण सेवा संस्था, दुर्ग द्वारा जन सहयोग 2 दिन तक दुर्ग के रेलवे स्टेशन बस स्टैंड मालवीय नगर चौक समृद्धि बाजार अंजोरा चौक से लेकर पावर हाउस तक सभी फुटपाथ एवं मंदिरों के समाने रहकर अपना जीवन यापन कर रहे सभी दिव्यांग, जरूरतमंद पुरुष एवं महिलाओं को कम्बल, तिल की मिठाई, समोसा, नमकीन एवं चावल, दाल, सब्जी, चटनी का वितरण किया गया..

समाजवादी विचारधारा का जन्म ही समाज के निराश्रित एवं अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को भी वह सुख सुविधाएं पहुंचाने के लिए हुआ है, जिनसे अभी तक वह अछूता रहा है। एक सच्चे सामाजिक कार्यकर्ता का एकमात्र धर्म मानवता व सेवा होता है। इन्ही बातों को आत्मसात करते हुए जन समर्पण सेवा संस्था दुर्ग 9 वर्ष से प्रतिदिन बिना रुके बिना किसी दिन नागा किए दुर्ग के विभिन्न स्थानों के फुटपाथ एवं रोड पर जीवन यापन कर रहे गरीब असहाय अनाथ एवं विकलांग जनों को निःशुल्क भोजन वितरण कर रही है, जिसमे प्रतिदिन लगभग 150 से 200 लोगो को रात्रि 8 बजे भोजन कराया जाता आ रहा हैं। शहर में कोई भी व्यक्ति भूखा न सोये, एक मात्र यही उदेश्य को लेकर विगत 9 सालों से जन समर्पण सेवा संस्था कार्य कर रही है, उसी सोच एवं उद्देश्य में संस्था द्वारा प्रतिदिन दुर्ग शहर के विभिन्न स्थानों में जाकर गरीब, असहाय, विकलांग, जरूरतमंदों को खोज खोज कर रात्रि में भोजन करा रही है, साथ ही साथ जरूरतमंदों को उनकी आवश्यकता की वस्तु निःशुल्क वितरण कर रही है। संस्था द्वारा सभी पर्व भी जरुरतमंदों के साथ उनकी जरूरत की सामग्री वितरण करके ही बनाया जाता आ रहा है, पर्व में दान के सबसे बड़े पर्व मकर सक्रांति पर हर वर्ष कि भांति इस वर्ष भी शहर के विभिन्न स्थानों में जाकर फुटपाथ पर या रोड पर जीवन यापन कर रहे जरूरतमंदों को दो दिवस संस्था द्वारा भोजन वितरण किया गया।

रूपटॉप सोलर पेनल अनिवार्यता मामला

जहां दिक्कत है उन घरों मे बिजली कर्मियों को छूट

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा प्रधान मंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को बिजली कर्मियों के लिए प्रभावी एवं सरल बनाने हेतु दिशा निर्देश जारी किया गया है। प्रबंधन ने पूर्व में भी पॉवर कंपनी के नियमित अधिकारी कर्मचारियों को अपने आवासीय परिसरों में रूफ्टॉप सोलर पॉवर प्लांट स्थापित करने एवं नवम्बर तक अनिवार्य रूप से पंजीयन करने के निर्देश दिये थे तथा पंजीयन न करने की स्थिति में बिजली बिल में विशेष रियायतों की सुविधा को दिसंबर माह से बंद करने का निर्णय लिया था। ताजा समीक्षा के दौरान पाया गया कि कई जटिलता एवं समस्यों से जूझ रहे असमर्थ बिजली कर्मियों के लिए अनिवार्य स्थापना से छूट देने का निर्णय लिया गया। मानव संसाधन विभाग छत्तीसगढ़ पॉवर डिस्ट्रब्यूशन कंपनी द्वारा परिपत्र जारी करते हुए बताया गया है कि विशेष श्रेणियां ही अनिवार्य स्थापना की छूट के पात्र रहेंगे।जिसके अंतर्गत यदि कर्मी कंपनी आवास या फ्लैट में निवासरत है एवं छत्तीसगढ़ में किसी भी स्थान पर उनका या पति-पत्नी के नाम पर आवास नही हैं। इसी तरह यदि कर्मचारी किराए के मकान में रह रहा है और संपूर्ण छत्तीसढ़ में पति-पत्नी के नाम पर स्वयं का घर नही हैं।इसके अलावा यदि कर्मचारी संयुक्त परिवार में निवासरत है और विद्युत कनेक्शन संबंधित अधिकारी-कर्मचारी अथवा पति-पत्नी के नाम पर दर्ज नही हैं।

तकनीकी एवं संरचनात्मक बाधाएं की वजह से भी कई बार सोलर पैनल लगवाने में रूकावट होती हैं। यदि निजी आवास की छत की बनावट सोलर पैनलों का भार सहने हेतु तकनीकी रूप से उपयुक्त नही है। बहुमंजिला इमारत या अपार्टमेंट में निवासरत अधिकारी-कर्मचारी के लिए जहां साझा छत की बाधा है और वर्चुअल नेट मीटरिंग या अन्य माध्यमों से भी स्थापना संभव नहीं है। इसी स्थिति में इन्हें विशेष श्रेणी में माना जाएगा और रूफ्टॉप सोलर पॉवर प्लांट स्थापित करने की पात्रता से छूट रहेंगी।

इस प्रक्रिया में अधिकारी-कर्मचारियों को घोषणा पत्र भर कर कार्यालय प्रमुख को प्रस्तुत करना होगा जिसके उपरांत सक्षम अधिकारी द्वारा निर्णय लिया जाएगा। प्रबंधन लगातार योजना के सुचारू संचालन हेतु लोन की सुविधा, सरल सुगम आनलाइन पंजीयन प्रक्रिया, हेल्प डेस्क एवं सब्सिडी प्रदान कर रही है।

नल कनेक्शन काटने पहुंचे कर्मियों को देख 6 लोगों ने 42 हजार जमा किया

रिसाली निगम ने 17 लोगों को जारी किया था नोटिस

रिसाली। नल कनेक्शन काटने की कार्यवाही को देख 6 लोगों ने आनन फानन 42 हजार रुपए जमा कराया। रिसाली निगम ने लंबे समय से जल कर जमा नहीं करने पर वार्ड 31 के 17 लोगों को नोटिस जारी किया है। कार्यवाही करते कर्मचारियों ने ताम्रध्वज मार्कण्डेय के निवास में लगे नल कनेक्शन को काटने की कार्यवाही की गई। राजस्व वसूली के लिए आयुक्त मोनिका वर्मा सख्ती बरत रही है।

जलकर को लंबे समय से जमा नहीं करने पर नल विच्छेदन की कार्यवाही करने निर्देश दी है। टैक्स कलेक्शन के प्रभारी अधिकारी रवि श्रीवास्तव ने बताया कि शहीद किरण देशमुख वार्ड रिसाली में ताम्रध्वज मार्कण्डेय के घर नल विच्छेदन की कार्यवाही को देख पड़ोस में रहने वाले नरोत्तम साहू ने 11960, जी सी शर्मा ने 6920, मीना देवांगन ने 6920, राजकुमार वर्मा ने 4400, शिवमंगल साहू ने 9440 रुपए जमा कराया।

मांगी मोहलत

वार्ड 31 के राम नारायण ने पिछले 4 वर्ष से जलकर जमा नहीं किया है। 17630 रुपए बकाया है। कार्यवाही को देख राम नारायण ने 2520 रुपए जमा कर शेष राशि जमा करने मोहलत मांगी।

इन्हें 3 दिन की मोहलत

जल कर बकाया होने पर बिरजू राम ठाकुर को 6880 रुपए जमा करने नोटिस जारी किया है। 3 दिन में राशि जमा नहीं करने पर नल विच्छेदन की कार्यवाही की जाएगी। इसी तरह बल्लू राम साहू 4400, बल्लू राम साहू 3077, महेश सोनवानी 4400, देवकी बाई 6920, बम्लेश्वरी सिंह 5870, त्रिवेणी देवांगन 5100, जानकी यादव 4400, यादेश साहू 4400, जमवंतीन बाई को भी 3980 रुपए जमा करने नोटिस जारी किया गया है।

देशभक्ति की गूंज के बीच 26 को होगा पत्रकार कालोनी का उदघाटन

मिलेगी सौगात : गणतंत्र दिवस के दिन संपवेल और ओवरहेड पानी टंकी का भूमिपूजन भी होगा

राजनांदगांव। डोंगरगांव मार्ग पर पत्रकारों की बहुप्रतीक्षित आवासीय कालोनी तैयार हो गई है। गणतंत्र दिवस पर देशभक्ति गीतों की गूंज के बीच विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह, सांसद संतोष पांडेय और महापौर मधुसूदन यादव आदि के हाथों इसका लोकार्पण होने जा रहा है। पूरा परिसर तिरंगा से सराबोर रहेगा। कालोनी में पेयजल व्यवस्था के लिए संपवेल और ओवरहेड टंकी के लिए भी उसी दिन भूमिपूजन किया जाएगा। शुक्रवार को महापौर यादव ने कलेक्टर जितेंद्र यादव व नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा के साथ कालोनी का अवलोकन किया। इस दौरान उदघाटन-भूमिपूजन समारोह की तैयारियों को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए। समारोह को यादगार बनाने पूरा प्रशासन लगा हुआ है।

10 एकड़ क्षेत्रफल में फैली इस कालोनी में सीमेंट की सड़क, कांक्रीट की नाली, बिजली, क्रीडा स्थल, बाउंड्रीवाल व उद्यान समेत सभी आवश्यक सुविधाएं जुटा ली गई है। पेयजल के लिए डीएमएफसे राशि स्वीकृति के साथ ही निविदा की प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है। 26 जनवरी को कालोनी के उदघाटन की तैयारी को लेकर शुक्रवार को दोपहर में महापौर व कलेक्टर ने पूरे परिसर का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह कालोनी पूरे छत्तीसगढ़ में शानदार उदाहरण बनेगा।

भविष्य में स्कूल के साथ ही स्वास्थ्य की भी व्यवस्था यहां होगी। निरीक्षण के दौरान सभा स्थल, मंच, बैठक व्यवस्था, साज-सज्जा, पार्किंग आदि को लेकर रूपरेखा भी तैयार कर ली गई। निरीक्षण के दौरान संरक्षक जितेंद्र मिश्रा, अशोक पांडे, प्रेस क्लब गृह निर्माण समिति के अध्यक्ष मिथलेश देवांगन, संचालक मंडल से किशोर सिल्लेदार, जितेंद्र सिंह, मोहन कुलदीप, जयदीप शर्मा, कमलेश सिमनकर, क्लब के सचिव अनिल त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष बसंत शर्मा, दीपांकर खोबरागढ़े, संजय सिंह राजपूत, युवराज पांडे, ललित ठाकुर आदि उपस्थित थे।

व्यवस्थित और माडल कालोनी

महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह के विशेष सहयोग से पत्रकारों की यह कालोनी हर तरह से व्यवस्थित और माडल कालोनी के रूप में विकसित हुई है। यहां के लिए आगे जो भी आवश्यकता रहेगी, उसे भी हम सब मिलकर पूरी करेंगे। जो काम बचा होगा, उसे आने वाले समय में पूरा करेंगे। पत्रकार साथियों को अग्रिम शुभकामनाएं।

आवास ऋण भी मिलेगा

निरीक्षण के बाद मीडिया से चर्चा में कलेक्टर जितेंद्र यादव ने कहा कि संस्कारधानी का प्रेस क्लब पूरे छत्तीसगढ़ के लिए आदर्श बन गया है। उदघाटन और भूमिपूजन समारोह ऐतिहासिक और यादगार रहेगा। पूरे कालोनी परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया जाएगा। आवास ऋण की उपलब्धता को लेकर शासन स्तर पर प्रयास जारी है।

सपना साकार होने जा रहा

प्रेस क्लब के अध्यक्ष सचिन अग्रहरि ने कहा कि प्रेस क्लब और प्रेस क्लब गृह निर्माण समिति के समवेत प्रयास से सर्वसुविधायुक्त कालोनी तैयार हो गई है। यहां 142 सदस्यों को बसाया जाना है। कालोनी में पेयजल के लिए डीएमएफसे राशि स्वीकृत हो गई है। कालोनी के उदघाटन वाले दिन ही विधानसभा अध्यक्ष डा रमन सिंह के हाथों टंकियों का भूमिपूजन भी होगा।

पत्रकारों को सबसे बड़ी सौगात

प्रेस क्लब गृह निर्माण समिति के अध्यक्ष मिथलेश देवांगन ने कहा कि पत्रकारों की आवासीय जमीन वाली वर्षों पुरानी मांग अब जाकर पूरी हो सकी। आवासीय ऋण को लेकर आ रही तकनीकी दिक्कत को दूर करने शासन-प्रशासन लगा है। उम्मीद है कि शीघ्र ही इसके समाधान होने के बाद पत्रकार साथियों को सपनों का घर बनाना आसान हो जाएगा।

वनडे क्रिकेट में नंबर-5 पर सर्वाधिक शतक जड़ने वाले भारतीय बल्लेबाज, शीर्ष पर है यह दिग्गज

नईदिल्ली। वनडे क्रिकेट में शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का शतक लगाना या बड़ी पारी खेलना आम बात है, लेकिन मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाना बल्लेबाजी कौशल का दर्शाता है। गत 14 जनवरी को भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज केएल राहुल ने न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ राजकोट में खेले गए दूसरे वनडे में नंबर-5 पर बल्लेबाजी करते हुए शानदार शतकीय पारी (112*) खेली है। आइए वनडे क्रिकेट में नंबर-5 सर्वाधिक शतक जड़ने वाले भारतीयों पर नजर डालते हैं।

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह वनडे क्रिकेट में नंबर-5 पर बल्लेबाजी करते हुए सर्वाधिक शतक जड़ने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। उन्होंने इस नंबर पर कुल 7 शतक जड़े हैं। उन्होंने 92 पारियों में नंबर-5 पर खेलते हुए 39.48 की औसत से 3,040 रन बनाए थे। इसमें 7 शतक और 18 अर्धशतक शामिल रहे। उन्होंने अपने पूरे करियर में 304 मैचों की 278 पारियों में 36.55 की औसत से 8,701 रन बनाए थे। इनमें 14 शतक और 52 अर्धशतक शामिल थे।

इस सूची में पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी दूसरे पायदान पर हैं। उन्होंने नंबर-5 पर कुल 4 शतक जड़े हैं। उन्होंने 83 पारियों में नंबर-5 पर खेलते हुए 50.30 की औसत से 3,169 रन बनाए थे। इसमें 18 अर्धशतक भी शामिल रहे। उन्होंने अपने पूरे करियर में 350 मैचों की 297 पारियों में 50.57 की औसत से 10,773 रन बनाए थे। इनमें 10 शतक और 73 अर्धशतक शामिल थे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नाबाद 183 रन का रहा था।

इस सूची में राहुल अब तीसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। वह नंबर-5 पर अब तक कुल 3 शतक जड़ चुके हैं। उन्होंने 33 पारियों में नंबर-5 पर खेलते हुए 64.21 की औसत से 1,477 रन बनाए थे। इसमें 10 अर्धशतक भी शामिल रहे। उन्होंने अपने पूरे करियर में 93 मैचों की 85 पारियों में 51.67 की औसत से 3,359 रन बनाए थे। इनमें 8 शतक और 20 अर्धशतक शामिल थे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नाबाद 112 रन का रहा था।

इस सूची में पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना भी तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने नंबर-5 पर कुल 3 शतक अपने नाम किए थे। उन्होंने 82 पारियों में नंबर-5 पर खेलते हुए 35.47 की औसत से 2,448 रन बनाए थे। इसमें 15 अर्धशतक भी शामिल रहे। उन्होंने अपने पूरे करियर में 226 मैचों की 194 पारियों में 35.31 की औसत से 5,615 रन बनाए थे। इनमें 5 शतक और 36 अर्धशतक शामिल थे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नाबाद 116 रन का रहा था।

न्यूजीलैंड के इन बल्लेबाजों ने एशिया में लगाए हैं 5 या अधिक शतक

एशिया में नाथन एस्टल ने 6 शतक की मदद से 31.11 की औसत के साथ 1,836 रन बनाए थे। उन्होंने भारत में 20 वनडे मैच खेले थे, जिसमें 41.25 की औसत और 77.39 की स्ट्राइक रेट के साथ 825 रन बनाए थे। इस बीच उन्होंने 4 शतक लगाए थे। श्रीलंका में एस्टल ने 12 पारियों में 41.50 की औसत और 74.55 की स्ट्राइक रेट के साथ 498 रन बनाए थे। उन्होंने श्रीलंका में 2 शतक लगाए थे।

मिचेल ने एशिया में अपनी शुरुआती 28 पारियों में 56.03 की औसत और 98.18 की स्ट्राइक रेट के साथ 1,457 रन बनाए, जिसमें 5 शतक शामिल हैं। उन्होंने भारत में खेलते हुए 66.75 की औसत के साथ 801 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 3 शतक लगाए हैं।

निर्यात की ऊंची उड़ान, दिसंबर में 38.5 अरब डॉलर के पार पहुंचा भारत का एक्सपोर्ट

नईदिल्ली। जहां एक ओर दुनिया वैश्विक मंदी की आशंकाओं से जूझ रही है, वहीं भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूती के संकेत दे रही है. नवंबर के बाद दिसंबर में भी देश के निर्यात में बढ़ोतरी दर्ज की गई है. सरकारी आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर महीने में भारत का वस्तु निर्यात 1.87 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 38.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया.

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि दिसंबर 2025 में आयात बढ़कर 63.55 अरब डॉलर हो गया, जबकि दिसंबर 2024 में यह 58.43 अरब डॉलर था. समीक्षाधीन माह में देश का व्यापार घाटा 25 अरब अमेरिकी डॉलर रहा. उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का निर्यात सकारात्मक रुझान बनाए हुए है.

वाणिज्य सचिव ने बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में वस्तु और सेवाओं का कुल निर्यात 850 अरब डॉलर से अधिक रहने का अनुमान है. अप्रैल से दिसंबर 2025 की अवधि के दौरान निर्यात 2.44 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 330.29 अरब डॉलर दर्ज किया गया. अग्रवाल के अनुसार, वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में अमेरिका को होने वाले निर्यात में भी सालाना आधार पर वृद्धि हुई है.

भारत ने अपने निर्यात को चीन, रूस और पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) जैसे बाजारों की ओर विविधीकृत करने पर विशेष जोर दिया है. प्रोत्साहन योजनाओं और यूरोपीय संघ समेत प्रस्तावित व्यापार समझौतों से इन प्रयासों को समर्थन मिला है. अगस्त के अंत में अमेरिका द्वारा टैरिफ बढ़ाए जाने के बावजूद इन कदमों से शिपमेंट को सहारा मिला.

अग्रवाल ने कहा कि तमाम चुनौतियों के बीच भारत का निर्यात अब भी सकारात्मक दायरे में बना हुआ है.

दिसंबर में अमेरिका को होने वाला मर्चेंडाइज निर्यात नवंबर के 6.92 अरब डॉलर से मामूली घटकर 6.89 अरब डॉलर रह गया. हालांकि, चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में अमेरिका को कुल शिपमेंट सालाना आधार पर 9.75 प्रतिशत बढ़कर 65.88 अरब डॉलर तक पहुंच गया.

भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत जारी है. पिछली बार वार्ता में रुकावट आने के बाद अब दोनों देश फिर से संवाद में जुटे हैं. वाणिज्य सचिव ने बताया कि दोनों देशों की वार्ताकार टीमें वर्चुअल माध्यम से संपर्क में हैं और बातचीत रुकी नहीं है. उन्होंने स्पष्ट किया कि इस समझौते के लिए कोई समय-सीमा तय नहीं की जा सकती. इससे पहले विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बताया था कि उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ व्यापार, महत्वपूर्ण खनिजों और ऊर्जा सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा की है.

डब्ल्यूपीएल 2026 : यूपीडब्ल्यू ने एमआई को हराते हुए दर्ज की पहली जीत, हरलीन ने लगाया अर्धशतक

नईदिल्ली। विमेंस प्रीमियर लीग 2026 के 8वें मैच में यूपी वारियर्स (यूपीडब्ल्यू) ने मुंबई इंडियंस (एमआई) को 7 विकेट से हराते हुए अपनी पहली जीत दर्ज की। नवी मुंबई में खेले गए मैच में एमआई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर के बाद 161/5 का स्कोर बनाया, जिसमें नैट साइवर-ब्रंट का अर्धशतक (65) शामिल रहा। जवाब में यूपीडब्ल्यू ने 18.1 ओवर में लक्ष्य हासिल किया। आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं।

एमआई को जी कमलिनी (5) के जल्दी आउट होने के बाद साइवर-ब्रंट और अमनजोत कौर (38) ने उम्दा पारियां खेलीं। मध्यक्रम में बल्लेबाजी के लिए आई निकोलस कैरी ने 20 गेंदों में 5 चौकों की मदद से नाबाद 32 रन बनाते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। यूपीडब्ल्यू ने 45 रन तक अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए। इसके बाद लिचफील्ड (25), क्लो ट्रायन (27*) और हरलीन देओल (64*) की बदौलत यूपीडब्ल्यू ने जीत दर्ज की। साइवर-ब्रंट ने अपने डब्ल्यूपीएल करियर का 10वां अर्धशतक लगाया। वह 43 गेंदों में 65 रन बनाकर आउट हुई। वह संयुक्त रूप से सर्वाधिक 50+ स्कोर वाली बल्लेबाज बनी। उन्होंने इस मामले में हरमनप्रीत कौर (10) और मेग लैनिंग (10) की बराबरी की। साइवर-ब्रंट ने डब्ल्यूपीएल में 32 मुकाबले खेले हैं। इसकी 32 पारियों में 46.64 की औसत के साथ उन्होंने 1,166 रन बनाए हैं। वह इस लीग में फिलहाल सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं। हरलीन नंबर-4 पर बल्लेबाजी के लिए आई। उन्होंने 32 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह डब्ल्यूपीएल के इतिहास में उनका तीसरा और मौजूदा सीजन में पहला अर्धशतक रहा। उन्होंने लिचफील्ड के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 49 गेंदों में 73 रन की साझेदारी की। एक छोर से निरंतर रन बटोरते हुए उन्होंने जीत सुनिश्चित की। वह 39 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 64 रन बनाकर नाबाद रही।

यूपीडब्ल्यू ने मौजूदा सीजन में अपनी पहली जीत दर्ज की। इससे पहले यूपीडब्ल्यू को अपने शुरुआती 3 मुकाबलों में हार मिली थी। तालिका में यूपीडब्ल्यू आखिरी 5वें स्थान पर है। दूसरी तरफ एमआई की यह 4 मैचों के बाद दूसरी हार है। हरमनप्रीत के नेतृत्व वाली टीम दूसरे स्थान पर बरकरार है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपने शुरुआती दोनों मैचों में जीत हासिल की है और फिलहाल ये टीम अंक तालिका में शीर्ष पर मौजूद है।

टी-20 विश्व कप 2026 से बाहर हुए अफगानिस्तान के नवीन उल हक

नईदिल्ली। टी-20 विश्व कप 2026 में अफगानिस्तान क्रिकेट टीम अपने अभियान की शुरुआत 8 फरवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच से करेगी। इस प्रमुख टूर्नामेंट से पहले अफगान टीम के लिए बुरी खबर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेज गेंदबाज नवीन उल हक विश्व कप से बाहर हो गए हैं। वह चोट के कारण आगामी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। बता दें कि अभी अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अभी आधिकारिक ऐलान नहीं किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, नवीन अगले हफ्ते वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 मैचों की टी-20 के साथ-साथ अगले महीने शुरू होने वाले विश्व कप से भी बाहर हो गए हैं। उनकी सर्जरी कराने की उम्मीद है। नवीन ने दिसंबर 2024 से अपने देश के लिए कोई मैच नहीं खेला है। तब से, उन्होंने 2025 में एसए20 और फिर यूएसए में मेजर लीग क्रिकेट में खेला, लेकिन कंधे की चोट के कारण एशिया कप 2025 से बाहर हो गए थे।

इंदौर आए गिल 3 लाख का वाटर प्यूरीफायर साथ लाए :यहां गंदे पानी से अब तक 24 मौतें; बीसीसीआई ने शेफ भी भेजा

इंदौर। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला खेलने के लिए टीम इंडिया इंदौर पहुंच चुकी है। कप्तान शुभमन गिल अपने साथ करीब तीन लाख रुपए की एक विशेष वॉटर प्यूरीफिकेशन मशीन लेकर इंदौर आए हैं।

होटल से जुड़े सूत्रों ने बताया कि यह मशीन आरओ और पैक्ड बोतलबंद पानी को भी दोबारा पूरी तरह शुद्ध करने में सक्षम है। शुभमन गिल ने इस मशीन को अपने कमरे में ही रखवाया है। होटल स्टाफको भी इसके इस्तेमाल और तकनीक से जुड़ी विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है।

हालांकि, यह साफ नहीं हो पाया है कि गिल ने यह कदम इंदौर में हाल ही में दूषित पानी पीने से हुई मौतों को देखते हुए एहतियात के तौर पर उठाया है या इसके पीछे कोई और वजह है। इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी के कारण अब तक 24 लोगों की मौत हो चुकी है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला 18 जनवरी को इंदौर में खेला जाएगा। फिलहाल दोनों टीमों ने एक-एक मैच जीत लिया है और सीरीज 1-1 की बराबरी पर है।

टीम के साथ बीसीसीआई ने शेफभी भेजे हैं खिलाड़ियों की फिटनेस और डाइट को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई ने टीम के साथ स्पेशल शेफभी भेजे हैं। शेफहर खिलाड़ी की जरूरत के अनुसार भोजन तैयार कर रहा है। शुक्रवार को भारतीय टीम ने आराम किया, जबकि न्यूजीलैंड की टीम ने प्रैक्टिस की। शनिवार को टीम इंडिया भी अभ्यास करेगी।

न्यूजीलैंड टीम ने शुक्रवार को इंदौर में आखिरी वनडे मुकाबले से पहले प्रैक्टिस की। विराट की डाइट में हरी ग्रिल्ड सब्जियां, स्प्राउट्स और सूप विराट कोहली की डाइट में उबला और स्टीम्ड खाना शामिल रहता है। उनके नाश्ते में स्प्राउट, नींबू के साथ ग्रीन टी और खाने में हरी ग्रील्ड सब्जियां, दाल, रायता और सूप शामिल होता है।

रोहित शर्मा की डाइट में बादाम, स्प्राउट, ओट्स, फ्रूट, पनीर, सब्जी, दाल और चावल शामिल रहता है। इसके साथ ही अन्य खिलाड़ी भोजन में चिकन, मछली, अंडे, ब्राउन राइस, दालें, नट्स के साथ हाइड्रेट रहने के लिए नारियल पानी और ग्रीन टी लेते हैं।

एमपीसीए को फीस के रूप में ही मिलेंगे डेढ़ करोड़ रुपए होलकर स्टेडियम में वनडे इंटरनेशनल मैच की मेजबानी के लिए एमपीसीए को बीसीसीआई करीब 1.5 करोड़ फीस देता है। इसके अलावा टिकट बिक्री, कॉर्पोरेट बॉक्स, स्पॉन्सरशिप, स्टेडियम में ब्रांडिंग और विज्ञापन से भी आय होती है। यही फंड बाद में संभागीय क्रिकेट की गतिविधियों, ग्राउंड मेंटेनेंस, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण आदि पर खर्च किया जाता है।

24 मौत, 16 मरीजों का अस्पताल में इलाज चल रहा है इंदौर के भागीरथपुरा दूषित पानी कांड में अब तक 24 लोगों की मौत हो चुकी है। आईसीयू में एडमिट 6 मरीजों में से 1 को वार्ड में रेफर किया गया है, जबकि तीन मरीज लंबे समय से वेंटिलेटर पर ही हैं। वार्ड में 11 मरीज एडमिट हैं। इनके सहित अभी 16 मरीजों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। शुक्रवार को डायरिया के तीन मरीज आए, जिन्हें अस्पताल रेफर करने की जरूरत नहीं पड़ी।

डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में क्यों लगातार देखने को मिल रही गिरावट?

मुंबई। डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में कमजोर हुआ है। आज (16 जनवरी) सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 10 पैसे टूटकर 90.44 के स्तर पर पहुंच गया। इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 90.37 पर खुला था, लेकिन जल्द ही इसमें गिरावट देखी गई। पिछले कारोबारी दिन रुपया 90.34 पर बंद हुआ था। विदेशी निवेशकों की बिकवाली और मजबूत डॉलर की वजह से रुपये पर दबाव बना हुआ है।

रुपये की कमजोरी की सबसे बड़ी वजह अमेरिकी डॉलर की मजबूती मानी जा रही है। अमेरिका से आए मजबूत रोजगार आंकड़ों के बाद डॉलर छह हफ्ते के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। बेरोजगारी भत्ते के नए दावे उम्मीद से कम रहे, जिससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत मिला। इससे यह धारणा बनी कि अमेरिकी फेड जल्द ब्याज दरों में कटौती नहीं करेगा। मजबूत डॉलर का असर उभरती बाजारों की मुद्राओं पर साफ दिख रहा है।

रुपये पर दबाव बढ़ने की एक और बड़ी वजह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की लगातार बिकवाली है। जनवरी महीने में अब तक विदेशी निवेशकों ने करीब 19,000 करोड़ रुपये की भारतीय इक्विटी बेच दी है। जब विदेशी निवेश बाहर जाता है, तो डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपये पर दबाव पड़ता है। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और शेयर बाजार का सकारात्मक माहौल रुपये की गिरावट को कुछ हद तक संभाल रहा है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, आने वाले दिनों में रुपये की दिशा कई फैक्टर पर निर्भर करेगी। इनमें भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की प्रगति, विदेशी निवेश का रुख और व्यापार घाटे की स्थिति शामिल है। विश्लेषकों का मानना है कि डॉलर के मुकाबले रुपया 89.20 से 91.40 के दायरे में उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार कर सकता है। जब तक विदेशी निवेश में सुधार नहीं होता, रुपये की मजबूती मुश्किल बनी रह सकती है।

भारत बना दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम, 2 लाख से अधिक हुई संख्या

नईदिल्ली। भारत में स्टार्टअप की संख्या काफी तेजी से बढ़ रही है। केंद्रीय रेल, सूचना और इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि स्टार्टअप इंडिया के 10 साल पूरे होने पर भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। मंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, नीतिगत समर्थन और देश के युवाओं, उद्यमियों की लगातार मेहनत और सोच का नतीजा है।

केंद्रीय मंत्री के अनुसार, भारत में अब दो लाख से अधिक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। इनमें से करीब 45 प्रतिशत स्टार्टअप टियर-2 और टियर-3 शहरों में शुरू हुए हैं। यह दिखाता है कि स्टार्टअप संस्कृति अब सिर्फ बड़े महानगरों तक सीमित नहीं रही है। छोटे शहरों, कस्बों और ग्रामीण इलाकों के युवा भी नए आइडिया के साथ आगे आ रहे हैं और स्थानीय स्तर पर रोजगार व विकास को बढ़ावा दे रहे हैं।

एक्स पोस्ट में यह भी बताया गया कि भारत के लगभग 48 प्रतिशत स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला निदेशक मौजूद है। यह आंकड़ा बताता है कि स्टार्टअप क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। इसके साथ ही, स्टार्टअप्स ने अब तक 20 लाख से ज्यादा लोगों को सीधे रोजगार दिया है। इससे युवाओं को नौकरी के नए अवसर मिले हैं और देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत आधार मिला है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारतीय स्टार्टअप्स को अब तक करीब 15 लाख करोड़ रुपये की फंडिंग मिल चुकी है। यह बड़ा निवेश भारत के इनोवेशन और उद्यमिता इकोसिस्टम पर वैश्विक भरोसे को दर्शाता है। स्टार्टअप इंडिया के ये 10 साल देश के लिए बेहद अहम रहे हैं। केंद्र सरकार की नीतियां, निजी निवेश और उद्यमियों की मेहनत ने भारत को वैश्विक स्टार्टअप मैप पर एक मजबूत पहचान दिलाई है।

आईएमएफ ने भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी का अनुमान जताया, बताया दुनिया का प्रमुख विकास इंजन

नईदिल्ली। अमेरिका के लगातार बढ़ते टैरिफ दबाव और अंतरराष्ट्रीय व्यापार चुनौतियों के बाद भी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अनुमान जताया है कि भारत की अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी जारी रहेगी। आईएमएफ के संचार विभाग की निदेशक जूली कोजैक ने गुरुवार को वाशिंगटन में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि भारत की तीसरी तिमाही की वृद्धि उम्मीद से अधिक मजबूत रही है। उन्होंने एक प्रश्न के जवाब में कहा कि भारत दुनिया के लिए एक प्रमुख विकास इंजन है।

कोजैक ने कहा कि आईएमएफ के आकलन में, भारत की विकास दर में बढ़ोतरी दिखी, जो काफी हद तक मजबूत घरेलू खपत पर आधारित है। उन्होंने बताया कि आईएमएफ ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। उन्होंने कहा, हमने तब से जो देखा है वह यह है कि भारत में तीसरी तिमाही की वृद्धि उम्मीद से कहीं अधिक मजबूत रही है। इससे संभावना बनती है कि आईएमएफ आगे चलकर अपने पूर्वानुमान को बढ़ाएगा।

कोजैक ने कहा, मुझे लगता है कि भारत के बारे में हमारा मुख्य निष्कर्ष यह है कि यह वैश्विक विकास का एक प्रमुख चालक रहा, जो काफी मजबूत है। उन्होंने कहा, इस घटनाक्रम से आईएमएफ के विकास पूर्वानुमान में ऊपर की ओर संशोधन की संभावना बढ़ती है। संभावना है कि हम भविष्य में अपने पूर्वानुमान बेहतर बनाएंगे। बता दें कि आईएमएफ अगले सप्ताह विश्व आर्थिक आउटलुक का अद्यतन संस्करण जारी करेगा, जिसमें भारत समेत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के संशोधित अनुमान हैं।००

प्रियंका ने गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स 2026 में खींचा फैंस का ध्यान

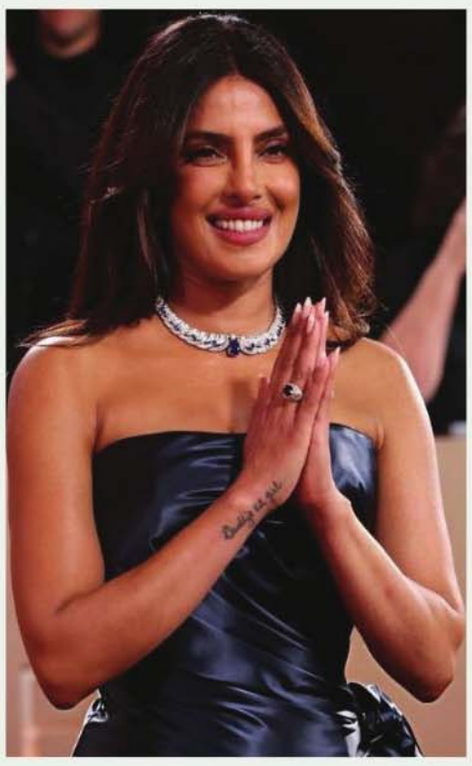

सोशल मीडिया पर अंतर्राष्ट्रीय एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा की तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। बीती 11 जनवरी की रात जब प्रियंका अपने पति निक जोनस के साथ गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स 2026 में नजर आईं। इस भव्य अवॉर्ड नाइट में प्रियंका न सिर्फ अपने स्टाइल और कॉन्फिडेंस से सबका ध्यान खींचती दिखीं, बल्कि उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ा एक मजेदार खुलासा भी कर दिया, जिसने फैंस को मुस्कुराने पर मजबूर कर दिया। बेवरली हिल्स होटल में आयोजित गोल्डन ग्लोब्स के दौरान प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस रेड कार्पेट पर एक-दूसरे के साथ बेहतरीन ट्यूनिंग में नजर आए। कपल की केमिस्ट्री देखते ही बन रही थी और उनकी तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर आते ही धूम मचा दी। इसी दौरान निक जोनस ने फिल्म और टीवी की दुनिया को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि बीता साल एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के लिए काफी शानदार रहा और उनके घर में देखने की पसंद को लेकर कोई खास रोक-टोक नहीं है। निक ने हंसते हुए कहा कि उनके यहां 'गिल्टी प्लेजर' जैसी कोई चीज नहीं है और दोनों खुलकर अपनी पसंद का कंटेंट देखते हैं। हालांकि निक की इस बात पर प्रियंका चोपड़ा ने तुरंत हल्के-फुल्के अंदाज में सच्चाई सामने रख दी। मुस्कुराते हुए प्रियंका ने मजाकिया लहजे में कहा कि असल में घर पर वही देखा जाता है, जो निक को पसंद होता है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर उन्हें अपनी पसंद का कुछ देखना हो तो वह आईपैड पर देख लेती हैं। प्रियंका का यह जवाब सुनकर वहां मौजूद लोग हंस पड़े और यह पल सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स की इस शाम में प्रियंका चोपड़ा एक प्रेजेंटर के रूप में शामिल हुई थीं। इस मौके पर उनका लुक भी काफी चर्चा में रहा। उन्होंने नेवी ब्लू रंग का खूबसूरत गाउन पहना था, जिसमें वह बेहद एलिगेंट लग रही थीं। वहीं निक जोनस ब्लैक सूट में हैंडसम नजर आए। दोनों के आउटफिट्स की कलर ट्यूनिंग ने उनकी जोड़ी को और भी खास बना दिया।

'मर्दानी 3' की रिलीज डेट का ऐलान

यश राज फिल्म्स की सुपरहिट फ्रेंचाइज़ 'मर्दानी' अब अपने तीसरे भाग के साथ दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार है। रानी मुखर्जी स्टारर 'मर्दानी 3' की रिलीज डेट का आधिकारिक ऐलान कर दिया गया है। यह फिल्म 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पिछले एक दशक से यह फ्रेंचाइज़ महिला-केंद्रित दमदार कहानियों के लिए जानी जाती है और दर्शकों के बीच कल्ट स्टेटस हासिल कर चुकी है। 'मर्दानी 3' में रानी मुखर्जी एक बार फिर निडर पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में नजर आएंगी। इस बार कहानी को और भी ज्यादा डार्क, हिंसक और रोमांचक बताया जा रहा है। मेकर्स के मुताबिक, फिल्म अच्छाई और खौफनाक बुराई के बीच एक खतरनाक टकराव को दिखाएगी, जहां शिवानी देश की कई लापता लड़कियों को बचाने के लिए समय के खिलाफ जंग लड़ती नजर आएंगी। रानी मुखर्जी पहले ही कह चुकी हैं कि 'मर्दानी 3' एक एज-ऑफ-द-सीट थ्रिलर होगी, जो दर्शकों को अंत तक बांधे रखेगी। फिल्म का निर्देशन अभिराज मिनावाला ने किया है, जबकि इसे आदित्य चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया है। 'मर्दानी' के पहले भाग में मानव तस्करी जैसे गंभीर मुद्दे को दिखाया गया था, वहीं दूसरे भाग में एक साइकोपैथ अपराधी की कहानी ने दर्शकों को झकझोर दिया था।

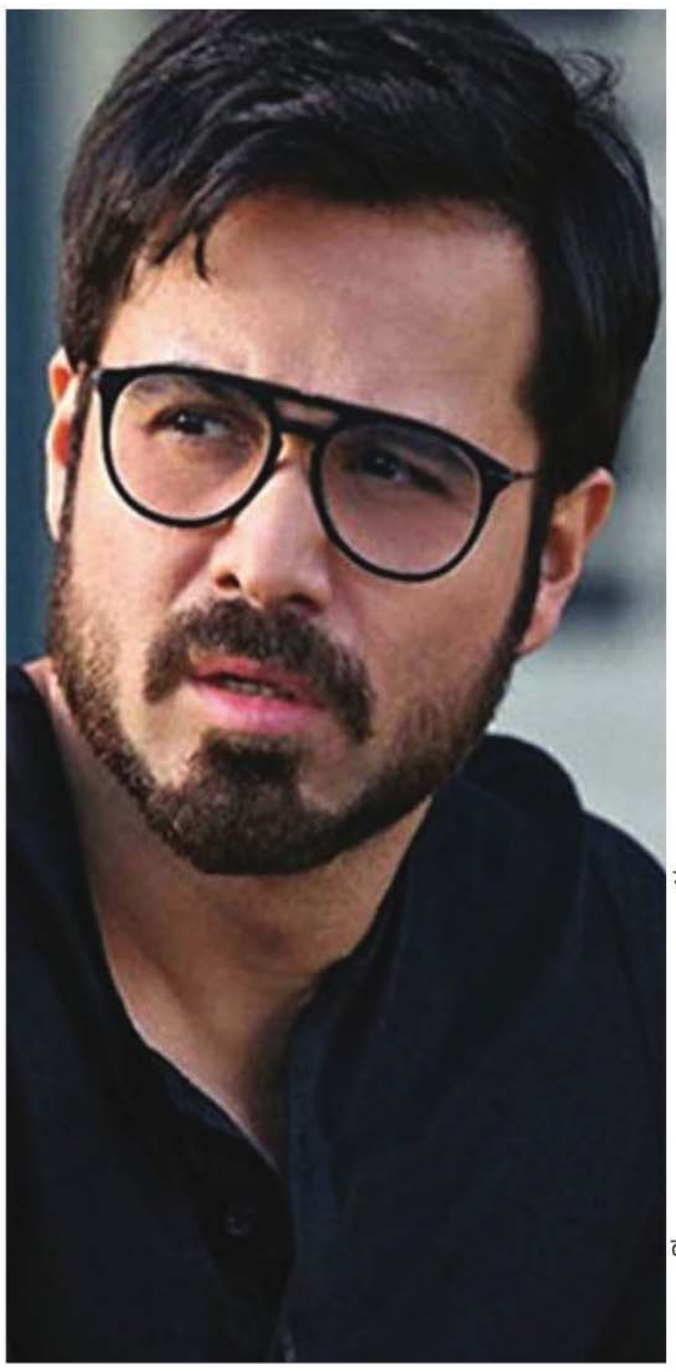

हर कहानी में पुरुष की जीत दिखाना जरूरी नहीं होता: इमरान हाशमी

हाल ही में अभिनेता इमरान हाशमी ने न सिर्फ अपनी फिल्म 'हक' को लेकर बात की, बल्कि बॉलीवुड इंडस्ट्री में मेल एक्टर्स की सोच, उनकी असुरक्षा और मौजूदा फिल्मों के ट्रेंड पर भी खुलकर राय रखी। एक इंटरव्यू के दौरान इमरान हाशमी ने कहा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में ज्यादातर मेल एक्टर्स खुद को हर कहानी में हीरो के तौर पर देखना चाहते हैं। उनके मुताबिक, कई अभिनेता ऐसी फिल्मों से दूरी बना लेते हैं, जिनमें पुरुष किरदार को कमजोर, ग्रे या हारने वाला दिखाया गया हो। इमरान ने इसे मेल एक्टर्स की इनसिक्योरिटी बताया और कहा कि हर कहानी में पुरुष की जीत दिखाना जरूरी नहीं होता। उन्होंने माना कि इंडस्ट्री में इस सोच से बाहर निकलने की जरूरत है, ताकि कंटेंट ज्यादा ईमानदार और विविध हो सके। इसी बातचीत में इमरान ने रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' की सफलता पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि आज के दौर में हाइपर-मर्दाना और टॉक्सिक माने जाने वाले मेल करैक्टर्स को भी दर्शकों का एक बड़ा वर्ग पसंद कर रहा है। भले ही सोशल मीडिया और कुछ तबकों में ऐसी फिल्मों की आलोचना होती हो, लेकिन सच्चाई यह है कि लोग टिकट खरीद रहे हैं। इमरान के मुताबिक, 'एनिमल' के खिलाफ काफी नकारात्मक माहौल था, इसके बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर चली क्योंकि बहुत से दर्शक उस किरदार से खुद को जोड़ पाए। मेल एक्टर्स की असुरक्षा पर बात करते हुए इमरान ने कहा कि बहुत कम अभिनेता 'हक' जैसी फिल्में करने का साहस दिखाते हैं। उन्होंने अपनी पुरानी फिल्म 'द डर्टी पिक्चर' का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने वह फिल्म इसलिए की क्योंकि उन्हें उसका विषय पसंद आया था, न कि इसलिए कि उसमें उनका किरदार कितना हीरोइक है। इमरान का मानना है कि कलाकारों को अपनी असुरक्षाओं से बाहर निकलकर ऐसे विषयों पर काम करना चाहिए, जो समाज को सोचने पर मजबूर करें। फिल्म 'हक' की बात करें तो यह शाह बानो केस से प्रेरित है, जो मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों से जुड़ा एक ऐतिहासिक मामला रहा है। बता दें कि बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी इन दिनों अपनी फिल्म 'हक' को लेकर चर्चा में हैं और उनकी एक्टिंग की खूब सराहना हो रही है। इस फिल्म में यामी गौतम मुख्य भूमिका में हैं, जबकि इमरान ने उनके पति अब्बास खान का किरदार निभाया है।

आने वाला समय पुलकित सम्राट के लिए बेहद अनुकूल: ज्योतिषी

अपनी आगामी फिल्म 'राहु केतु' की रिलीज़ को लेकर उत्साहित अभिनेता पुलकित सम्राट एक इंटरव्यू दे रहे थे। इस दौरान उनके साथ एक ज्योतिषी भी थी। इस ज्योतिषी ने अभिनेता पुलकित सम्राट की कुंडली का विश्लेषण करते हुए उनके करियर को लेकर चौंकाने वाली भविष्यवाणी कर डाली।

ज्योतिषी ने बातचीत के दौरान राहु-केतु की ग्रह स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि आने वाला समय पुलकित सम्राट के लिए बेहद अनुकूल साबित हो सकता है। उनके मुताबिक, ग्रहों की चाल इस ओर इशारा कर रही है कि अभिनेता के करियर में जल्द ही एक बड़ा और अलग मोड़ आने वाला है। उन्होंने दावा किया कि भविष्य में पुलकित को किसी भव्य ऐतिहासिक भूमिका में देखा जा सकता है, जो उनके अब तक के किरदारों से बिल्कुल अलग होगी। अपनी भविष्यवाणी को और विस्तार देते हुए ज्योतिषी ने उस संभावित किरदार की तस्वीर भी खींची। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक भूमिका में पुलकित शाही परिधान पहने, घोड़े पर सवार और हाथ में तलवार लिए नजर आ सकते हैं।

उनका मानना था कि इस तरह का किरदार पुलकित की स्क्रीन प्रेज़ेंस को और प्रभावशाली बनाएगा और उन्हें दर्शकों के एक बड़े वर्ग तक पहुंचने में मदद करेगा। ज्योतिषी ने यह भी जोड़ा कि लंबे बालों में पुलकित इस योद्धा अवतार में और ज्यादा जंचेंगे, जिससे उनकी छवि और दमदार हो सकती है। इस अचानक आई भविष्यवाणी पर पुलकित सम्राट पहले तो कुछ पल के लिए चौंक गए, लेकिन फिर उन्होंने अपने चिर-परिचित मज़ाकिया अंदाज़ में माहौल को हल्का कर दिया। मुस्कुराते हुए उन्होंने कहा, 'वाह मैम, क्या आप मेरे सपनों में भी आ गईं?' उनकी इस प्रतिक्रिया पर वहां मौजूद सभी लोग हंस पड़े। हालांकि ज्योतिषी अपने अनुमान पर पूरी तरह कायम रहीं और पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा कि यह सपना आगे चलकर जरूर हकीकत बनेगा।

पुलकित ने भी बातचीत के दौरान यह स्वीकार किया कि वह अपने करियर में नए और चुनौतीपूर्ण किरदारों को आज़माना चाहते हैं और ऐतिहासिक भूमिकाएं उन्हें खासा आकर्षित करती हैं। इंटरव्यू के बाद से ही इंडस्ट्री और फैंस के बीच यह चर्चा तेज़ हो गई है कि क्या वाकई पुलकित सम्राट किसी ऐतिहासिक फिल्म में नजर आने वाले हैं। फिलहाल इसको लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इस बातचीत ने अभिनेता को लेकर उत्सुकता जरूर बढ़ा दी है। काम के मोर्चे पर बात करें तो पुलकित सम्राट जल्द ही फिल्म 'राहु केतु' में दिखाई देंगे, जो 16 जनवरी को रिलीज़ होने जा रही है।

सपनों को किसी भी सीमा में बांधना गलत: अदा शर्मा

बॉलीवुड अभिनेत्री अदा शर्मा का मानना है कि सपनों को किसी भी तरह की सीमा में बांधना गलत है। इसी सोच के साथ वे एक अलग और खुला एक्टिंग फॉर्मूला अपनाती हैं, जहां वे सिर्फ अच्छे रोल्स पर फोकस करती हैं। अभिनेत्री ने अपने करियर और सपनों को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह अपने ड्रीम को किसी भी तरह की लिमिट में नहीं बांधना चाहतीं। अदा का मानना है कि अगर कोई एक्टर खुद को किसी खास डायरेक्टर या स्टाइल तक सीमित कर ले, तो यह बहुत प्रतिबंधक हो जाता है। अदा ने कहा, मेरा ड्रीम ईमानदारी से यही है कि मैं अच्छी फिल्में करूं और अच्छे रोल्स निभा पाऊं। अगर मैं ये तय कर लूं कि मैं सिर्फ इन-इन डायरेक्टर्स के साथ काम करूंगी, तो यह खुद को सीमा में बांधना होगा। मैं उन सबके साथ काम करना चाहती हूं, जिसके पास भी मेरे लिए अच्छा रोल हो। उन्होंने सुदीप्तो सेन का उदाहरण देते हुए कहा, अगर मेरा ड्रीम होता कि मैं किसी खास डायरेक्टर के साथ ही काम करूंगी, तो द केरल स्टोरी कभी नहीं होती।

सुदीप्तो सेन की वो पहली बड़ी फिल्म थी, मैं उन्हें जानती भी नहीं थी। तो मेरा ड्रीम था ही नहीं कि मैं उनके साथ काम करूं, क्योंकि मुझे उनके बारे में पता ही नहीं था। ड्रीम करके हम खुद को बहुत लिमिट कर लेते हैं। मैं चाहती हूं कि यूनिवर्स फैसला करे कि मैं क्या करूं, किनके साथ करूं। मेरी इच्छा बस इतनी है कि मैं अच्छे रोल्स करूं, जो ऑडियंस को पसंद आएं और मुझे करने में मजा आए। अदा ने बताया कि दर्शक उन्हें हर तरह के किरदार में स्वीकार करते हैं, जो उनके लिए बहुत बड़ी बात है। उन्होंने बताया, कुछ एक्ट्रेसेज को लोग सिर्फ एक लुक या एक टाइप में स्वीकार करते हैं, लेकिन मुझे भूत से लेकर मासूम लड़की तक में स्वीकार करते हैं।

1920 में मैंने डरावना किरदार निभाया, सनफ्लावर में बोल्ड बार डांसर रोजी का, द केरल स्टोरी में भोली-भाली मासूम लड़की का और कमांडो में एक्शन रोल था। किसी ने नहीं कहा कि केरल स्टोरी वाली लड़की एक्शन क्यों कर रही है और एक एक्टर के लिए यह बहुत अच्छी चीज है। जब दर्शक आपको हर किरदार में स्वीकार करते हैं तो आगे बढ़ने और अक्सर कुछ खास करने का उत्साह मिलता है। साल 2026 के बारे में बात करते हुए अदा ने उत्साह जताया। उन्होंने कहा, साल 2026 में फैंस को बहुत कुछ नया और शानदार मिलने वाला है। बहुत सारा कुछ है। मैं अलग-अलग किरदारों से लोगों को एंटरटेन करना चाहती हूं।

हमारे और सनी-बॉबी के रिश्ते हमेशा अच्छे रहे हैं: हेमा मालिनी

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन और उनके परिवार में विवाद को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही तमाम अटकलों पर धर्मेंद्र की पत्नी और अभिनेत्री-राजनेता हेमा मालिनी ने खुलकर अपनी बात रखी है और साफ किया है कि ये सभी बातें महज अफवाहें हैं। दरअसल, अफवाहों की शुरुआत तब हुई जब अलग-अलग मौकों पर परिवार के सदस्य एक साथ नजर नहीं आए। पहली पत्नी प्रकाश कौर और उनके बेटे सनी देओल व बॉबी देओल की ओर से मुंबई में एक प्रार्थना सभा आयोजित की गई, जिसमें हेमा मालिनी और उनकी बेटियां मौजूद नहीं थीं। वहीं उसी दिन हेमा मालिनी ने अपने घर पर अलग से शांति पाठ कराया। इसके बाद दिल्ली में हुए एक अन्य धार्मिक आयोजन में सनी और बॉबी की गैरमौजूदगी ने चर्चाओं को और हवा दे दी। सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे दोनों परिवारों के बीच तनाव से जोड़ना शुरू कर दिया।

इन तमाम अटकलों पर हेमा मालिनी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनके और सनी-बॉबी के रिश्ते हमेशा अच्छे रहे हैं और आज भी वैसे ही हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि लोग बार-बार उनके निजी रिश्तों को लेकर सवाल क्यों खड़े करते हैं। हेमा के मुताबिक, कुछ लोगों को सिर्फ गॉसिप चाहिए होती है, जबकि असलियत इससे कोसों दूर है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें अपनी निजी जिंदगी को लेकर किसी को सफाई देने की जरूरत महसूस नहीं होती। हेमा मालिनी ने यह भी जताया कि दूसरों के दुख या भावनाओं के सहारे कहानियां गढ़ना बेहद दुखद है। यही वजह है कि वह ऐसे सवालों का जवाब देने से अक्सर बचती हैं। उनका कहना है कि परिवार पूरी तरह एकजुट है और इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है।

हेमा मालिनी ने यह भी बताया कि उन्होंने अभी तक धर्मेंद्र की हालिया फिल्म 'इक्कीस' नहीं देखी है। इसकी वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि फिल्म देखना उनके लिए भावनात्मक रूप से मुश्किल होगा। वह फिलहाल अपने काम और जिम्मेदारियों में व्यस्त हैं और जब समय और मन दोनों तैयार होंगे, तब ही फिल्म देख पाएंगी। गौरतलब है कि धर्मेंद्र और हेमा मालिनी ने 1980 में शादी की थी और उनकी दो बेटियां ईशा देओल और अहाना देओल हैं। हेमा मालिनी आज भी सिनेमा और राजनीति दोनों में सक्रिय हैं।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंदु स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवाकर 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला भिलाई, दुर्ग, (छग)-490023 से प्रकाशित। संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।